सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
भोपाल
गुरुवार, 30 अक्टूबर, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 23, अंक 60, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

प्रसंगवश

ईबीसी पर राजद का भरोसा घटा, यादव वोटों को तरजीह दे रही पार्टी

अरविंद कुमार

राजद (राष्ट्रीय जनता दल) के अति पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों की संख्या 13.13 प्रतिशत से घटकर 11.19 प्रतिशत हो गई है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि 2020 के बिहार विधानसभा चुनावों में पार्टी ने अति पिछड़े वर्ग के उम्मीदवारों में सबसे कम स्ट्राइक रेट देखा था। बिहार में चल रहे चुनावी माहौल में जाति एक अहम मुद्दा बन गई है। मौजूदा चर्चा उम्मीदवारों की जातिगत संरचना पर केंद्रित है। अपने पिछले दो लेखों में हमने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के दो प्रमुख दलों – जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) – के उम्मीदवारों की जातिगत स्थिति का विश्लेषण किया था। एनडीए के दो अन्य घटक दल, लोक जनशक्ति पार्टी और राष्ट्रीय लोक मोर्चा, पहले ही अपने उम्मीदवारों की जातिगत संरचना सार्वजनिक कर चुके हैं।

यह लेख राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के उम्मीदवारों की जातिगत पृष्ठभूमि का विश्लेषण करता है। बिहार के विभिन्न इलाकों में स्थानीय नेताओं और विशेषज्ञों से बातचीत कर जुटाए गए आंकड़ों के मुताबिक, आरजेडी के आधे उम्मीदवार पिछड़ी जातियों से हैं।

अति पिछड़ी जातियों (ईबीसी) से नामांकन कम हुए हैं, जबकि पिछड़ी जातियों से नामांकन बढ़े हैं। यह दिखाता है कि पार्टी का ध्यान अब पिछड़ी जातियों की ओर अधिक केंद्रित हो गया है।

आरजेडी उत्तर भारत में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ब्लॉक की प्रमुख पार्टी है। पार्टी नेता तेजस्वी यादव ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ चुनाव पूर्व रोड शो किए, लेकिन दोनों पार्टियां आखिरी समय तक सीट बंटवारे के फार्मूले पर सहमत नहीं हो सकीं। इसलिए दोनों ने अपने उम्मीदवार अलग-अलग घोषित किए। आरजेडी ने 143 सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की है। 2020 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने 144 सीटों पर चुनाव लड़ा था। यानी सीटों की संख्या में ज्यादा बदलाव नहीं है।

आरजेडी द्वारा चार सामाजिक समूहों – ऊंची जातियां (15), पिछड़ी जातियां (73), अति पिछड़ी जातियां (16), अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (21) और मुसलमान (18) – के आधार पर टिकटों का जातिवार बंटवारा किया गया है। यहां ऊंची, पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियां हिंदू धर्म से जुड़ी जातियों हैं। जबकि इस्लाम मानने वाली सभी जातियों को विश्लेषण के लिए मुस्लिम श्रेणी में रखा गया है। आंकड़े बताते हैं कि आरजेडी के करीब आधे उम्मीदवार पिछड़ी जातियों से हैं।

2020 और 2025 के बिहार चुनावों में आरजेडी उम्मीदवारों की जातीय संरचना का तुलनात्मक विश्लेषण है। इससे पता चलता है कि पार्टी ने इस बार कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है। हालांकि, ऊंची जातियों के उम्मीदवारों की हिस्सेदारी 10.42 प्रतिशत से बढ़कर 10.59 प्रतिशत हुई है। पिछड़ी जातियों के उम्मीदवार 50 प्रतिशत से बढ़कर 51.05 प्रतिशत हुए हैं। एससी/एसटी उम्मीदवारों की हिस्सेदारी 13.89 प्रतिशत से बढ़कर 14.69 प्रतिशत हुई है। मुस्लिम उम्मीदवारों की संख्या 12.5 प्रतिशत से थोड़ा बढ़कर 12.59 प्रतिशत हुई है। वहीं अति पिछड़ी जातियों (ईबीसी) के उम्मीदवारों की संख्या 13.13 प्रतिशत से घटकर 11.19 प्रतिशत रह गई है। इसका कारण यह हो सकता है कि 2020 के चुनाव में ईबीसी उम्मीदवारों की जीत दर सबसे कम रही थी। हालांकि, आरजेडी ने ईबीसी को लुभाने के लिए पार्टी का राज्य अध्यक्ष उसी समुदाय से बनाया और उसके लिए अलग घोषणा पत्र भी जारी किया। लेकिन उम्मीदवारों की नामांकन के मामले में पार्टी झिझकती हुई नजर आती है।

आरजेडी के जाति-वार उम्मीदवारों के नामांकन को देखें तो सभी जातियों में, पार्टी ने सबसे ज्यादा उम्मीदवार यादव जाति से उतारे हैं (53), जो मुसलमानों के साथ उसका मुख्य वोट बैंक मानी जाती है। हालांकि, पिछली बार की तुलना में इस बार यादव उम्मीदवारों को पांच टिकट कम दिए गए हैं। पिछले चुनाव में यादव उम्मीदवारों को 58 सीटों से मैदान में उतारा गया था।

सवर्ण जातियों में, पार्टी ने सबसे ज्यादा उम्मीदवार शेख मुस्लिम समुदाय से उतारे हैं (8), इसके बाद राजपूत (6), भूमिहार (6), ब्राह्मण (3) और सैयद मुस्लिम (2) आते हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि पार्टी ने कायस्थ जाति से एक भी उम्मीदवार नहीं उतारा है, जबकि बिहार जाति सर्वेक्षण के अनुसार यह राज्य की सबसे शिक्षित और आर्थिक रूप से समृद्ध जाति मानी जाती है।

सभी पिछड़ी जातियों (धर्म से इतर) में, आरजेडी ने सबसे ज्यादा उम्मीदवार यादव (53) जाति से उतारे हैं, इसके बाद कुशवाहा (13), सूरजपुरी मुस्लिम (3), सूरी (3), कलवार (2), सोनार (1) और कुर्मी (1) आते हैं। दिलचस्प बात यह है कि कुशवाहा समुदाय ही एकमात्र ऐसी जाति है, जिसे तीनों बड़ी पार्टियों – भाजपा, जदयू और आरजेडी – ने अधिक संख्या में टिकट दिए हैं। जबकि इसी समुदाय की अपनी पार्टी भी है – उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम)।

ईबीसी समुदाय को नीतीश कुमार का मजबूत समर्थन आधार माना जाता है। इसे तोड़ने के लिए आरजेडी ने इसी समुदाय से राज्य अध्यक्ष नियुक्त किया और अलग कार्यक्रम भी शुरू किया। लेकिन जब नामांकन की बात आती है, तो पार्टी ने इस वर्ग से सबसे ज्यादा उम्मीदवार तेली (5) जाति से उतारे हैं, इसके बाद अंसारी मुस्लिम (3), नोनिया (2), कहार (2), धनुक (2), कुलहैया मुस्लिम (1), मल्लाह (1), गंगोता (1), धुनिया मुस्लिम (1), चौरसिया (1), डांगी (1) और बिंद (1) आते हैं। यहां पार्टी की रणनीति ज्यादा से ज्यादा जातियों से उम्मीदवार उतारने की लगती है।

आरजेडी ने अपने सभी एससी/एसटी उम्मीदवारों को आरक्षित सीटों से उतारा है। इसमें सबसे ज्यादा उम्मीदवार रविदास (6) जाति से हैं, इसके बाद दुसाध (5), पासी (4), मुसहर (3), सरदार (1) और चौपाल (1) आते हैं. पार्टी का एकमात्र एसटी उम्मीदवार संथाल समुदाय से है।

आरजेडी की जाति-वार टिकट वितरण रणनीति से साफ है कि उसने पिछली बार की तुलना में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है। पार्टी ने एक बार फिर सबसे ज्यादा उम्मीदवार यादव समुदाय से उतारे हैं। विपक्षी दल इस मुद्दे का इस्तेमाल ईबीसी समुदाय में यादवों के खिलाफ लामबंदी के लिए कर सकते हैं। पिछले कुछ महीनों में पार्टी ने ईबीसी समुदाय को साधने की कुछ कोशिशें की हैं, लेकिन यह उम्मीदवारों के नामांकन में दिखाई नहीं देती।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

आज मुजफ्फरपुर तो 2 नवंबर को पटना में रोड शो

- *बिहार में मोदी के लिए एनडीए का ग्रैंड प्लान तैयार*

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए ने अपना ग्रैंड प्लान तैयार कर लिया है। पहले चरण का मतदान 6 नवम्बर को होने वाला है, और इससे पहले बीजेपी अधिक से अधिक मतदाताओं तक अपना संदेश पहुंचाना चाहती है। इसके लिए नरेंद्र मोदी, अमित शाह, और जेपी नड्डा सहित बीजेपी के बड़े नेता बिहार पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। 24 अक्टूबर को, प्रधानमंत्री मोदी ने जननायक भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर की धरती समस्तीपुर से मिशन बिहार का आगाज किया था। उन्होंने बेगूसराय में भी एक जनसभा को संबोधित किया। कल 30 अक्टूबर को उनका दूसरा बिहार दौरा प्रस्तावित है। इस दिन पीएम मोदी मुजफ्फरपुर और छपरा में रैलियों को संबोधित करेंगे।

- **धर्मेंद्र प्रधान ने लिया रोड शो की तैयारी का जायजा**– बीजेपी के चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने रविवार को बीजेपी के कई बड़े नेताओं के साथ मिलकर रोड शो की तैयारियों का जायजा लिया। प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि 2 नवम्बर को ही पीएम मोदी दो रैलियों को भी संबोधित करेंगे। ये जनसभाएं नवादा और आरा में होंगी। बीजेपी का दावा है कि इस बार बिहार में एनडीए की सरकार 20 साल के बहुमत का रिकॉर्ड तोड़कर बनेगी। मोदी और अमित शाह अपनी चुनावी रैलियों में इस लक्ष्य का ऐलान कर चुके हैं। हाल ही में, प्रधानमंत्री ने मन की बात के 127वें एपिसोड की शुरुआत बिहार के महापर्व छठ की चर्चा के साथ की थी।

पीएम मोदी सबसे अच्छे दिखने वाले इंसान

- राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प बोले-जल्द ही ट्रेड डील करेंगे
- फिर भारत-पाकिस्तान संघर्ष खत्म कराने का दावा

सियोल (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सबसे अच्छा दिखने वाला इंसान करार दिया है। ट्रम्प ने ये भी कहा कि भारत के साथ ट्रेड डील जल्द होगी। ट्रम्प ने ये बातें बुधवार को साउथ कोरिया में हो रहे एपेक समिट में कहीं। ट्रम्प ने अपने भाषण में भारत-पाकिस्तान तनाव का जिक्र किया। कहा कि जब दोनों देश लड़ रहे थे तो मैंने दोनों से जंग रोकने को कहा, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया। ट्रम्प ने मोदी के लहजे में कहा,नो वी विल फाइट। ट्रम्प ने दावा किया कि उन्होंने दोनों देशों पर 250 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। इसके दो दिन बाद दोनों ने फोन किया और सीजफायर पर सहमति जता दी। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ व आसिम मुनीर की भी तारीफ की।

राष्ट्रपति के साथ दिखीं ऑपरेशन सिंदूर की पायलट

- पाकिस्तान ने स्क्वॉड्रन लीडर शिवांगी को पकड़ने का किया था दावा

अंबाला (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार सुबह अंबाला एयरफोर्स स्टेशन से फाइटर प्लेन राफेल में उड़ान भरी। इस दौरान राष्ट्रपति की स्क्वाड्रन लीडर शिवांगी सिंह के साथ एक फोटो भी सामने आई। पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शिवांगी को पकड़ने का दावा किया था। पाकिस्तान मीडिया की रिपोर्ट में कहा गया था कि शिवांगी युद्धबंदी हैं और उनका लड़ाकू विमान ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मार गिराया गया। सेना

ने 10 मई को फैक्ट चेक में पाकिस्तान के दावे को झूठा करार दिया था। राफेल ने सुबह 11.10 बजे टेक ऑफ किया और 11.50 बजे लैंड किया। राष्ट्रपति जिस राफेल में बैठी थीं, उसे ग्रुप कैप्टन अमित गेहानी ने उड़ाया। राष्ट्रपति के राफेल के पीछे एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने दूसरे एयरक्राफ्ट से उन्हें एस्कॉर्ट किया। राष्ट्रपति मुर्मू भारतीय वायु सेना के 2 फाइटर विमानों में उड़ान भरने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति हैं।

सुखोई जेट में उड़ान भर चुकीं राष्ट्रपति मुर्मू

इससे पहले, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 7 अप्रैल 2023 को असम के तेजपुर एयरफोर्स स्टेशन से सुखोई 30 फाइटर जेट में उड़ान भरी थी। सुखोई जेट ने सुबह 11 बजकर 8 मिनट पर टेक ऑफ किया। और 11 बजकर 38 मिनट पर लैंड किया। मुर्मू सुखोई में उड़ान भरने वाली देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं। उनसे पहले पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा सिंह पाटिल ने भी सुखोई में उड़ान भरी थी। 30 मिनट की उड़ान में राष्ट्रपति ने ब्रह्मपुत्र और तेजपुर वैली को कवर किया था। विमान ने समुद्र तल से करीब दो किलोमीटर की ऊंचाई पर उड़ान भरी थी।

मुख्यमंत्री ने रन फॉर साइबर अवेयरनेस को झंडी दिखाकर किया रवाना

साइबर अपराध से लड़ाई पुलिस के साथ पूरे समाज की है : मुख्यमंत्री

साइबर अपराध से बचाव के लिए सबसे बड़ा हथियार जागरूकता

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'रन फॉर साइबर अवेयरनेस' जागरूकता अभियान के आयोजन के लिए मध्यप्रदेश पुलिस सहित सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों को बधाई देते हुए कहा कि साइबर अपराध से लड़ाई केवल पुलिस की नहीं, पूरे समाज की है। तकनीक और कानून अपने स्थान पर हैं, पर सबसे बड़ा हथियार जागरूकता है। जब नागरिक जागरूक होगा, तभी राष्ट्र सुरक्षित होगा। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम ने डिजिटल युग की सबसे जरूरी पहल को जन-आंदोलन का रूप दिया है। हम जिस रफ्तार से डिजिटल रूप से मजबूत हुए हैं उसी रफ्तार से नई परेशानियां और खतरे सिर उठाने लगे हैं। जिस तकनीक ने हमें जोड़ा है उसी तकनीक ने अपराधियों को नए हथियार भी दिए हैं और आज ठगी के नए-नए तरीके आ गए हैं। डिजिटल अरेस्ट, फेक

प्रोफाइल, हैकिंग, डेटा ब्रीचिंग, ऑनलाइन फ्रॉड, ओटीपी फॉड, ऑनलाइन शॉपिंग धोखाधड़ी और फेक इन्वेस्टमेंट लिंक जैसे अपराध बढ़ते जा रहे हैं। ये हमारे समाज के हर वर्ग को प्रभावित कर रहे हैं। 'रन फॉर साइबर अवेयरनेस' डिजिटल युग में नागरिक सुरक्षा का कर्तव्य निभा रही है। साइबर सिपाही, जिम्मेदारी, सुरक्षा और जागरूकता की दौड़ के लिए एकजुट हुए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा साइबर सुरक्षा और जागरूकता के लिए आयोजित रन फॉर साइबर अवेयरनेस के प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रन के लिए एकत्र प्रतिभागियों को अटल पथ स्थित प्लेटिनम प्लाजा से झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रन अटल पथ से एपेक्स बैंक तिराहा होते हुए टी.टी. नगर स्टेडियम पर पूर्ण हुई।

साइबर ठगी होने पर तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर करें कॉल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जब डिजिटल इंडिया का सपना देखा था तब उन्होंने भारत को तकनीकी रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने की परिकल्पना की थी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत डिजिटल क्रांति का अग्रदूत बना है। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन सेवाएं, ई-गवर्नेंस ये सब आज सबके जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। मध्यप्रदेश ने भी पंचायत से लेकर सचिवालय तक हर स्तर पर डिजिटल सेवाएं पहुंचाने का काम किया है। बैंकिंग से लेकर शिक्षा तक और रोजगार से लेकर शासन तक हर प्रक्रिया अब ऑनलाइन है। आज के समय में साइबर अपराधी कभी स्वयं को पुलिस अधिकारी बताकर, कभी बैंक मैनेजर बनकर, तो कभी किसी सरकारी एजेंसी का नाम लेकर लोगों को ठग रहे हैं। जब किसी परिवार की मेहनत की कमाई पलभर में लुट जाती है, जब किसी विद्यार्थी का भविष्य ठगी में फंस जाता है, तो यह पूरे समाज के लिए पीड़ा का विषय बन जाता है।

कांग्रेस के प्रोग्राम में बांग्लादेश का राष्ट्रगान गाया

यह वोट बैंक की राजनीति, कांग्रेस खुलेआम डेमोग्राफी बदलने की कोशिश में: बीजेपी

श्रीभूमि (एजेंसी)। असम के श्रीभूमि जिले में कांग्रेस के कार्यक्रम में बांग्लादेश का राष्ट्रगान (अमर सोनार बांग्ला) गाया गया। सभा का वीडियो वायरल होने पर बीजेपी ने आपत्ति जताई। भाजपा ने इसे कांग्रेस का बांग्लादेश-प्रेम बताया है। श्रीभूमि जिला बांग्लादेश सीमा के करीब आता है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस अब खुलेआम बांग्लादेश का राष्ट्रगान गा रही है। कुछ दिन पहले बांग्लादेश ने ऐसा नक्शा जारी किया था जिसमें पूरा नॉर्थ-ईस्ट उसके हिस्से में दिखाया गया था, और अब कांग्रेस उसी देश के गीत गा रही है। असम के श्रीभूमि में कांग्रेस की एक मीटिंग में बांग्लादेश का नेशनल एंथम अमर सोनार बांग्ला गाया गया। वही देश जो नॉर्थ

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

तन्हाई को अपना मन बहलाने दो।
उसको इतनी जल्दी है तो जाने दो।
पैर नहीं छूने दोगी ये क्या ज़िद है,
पायल लेकर आया हूं पहनाने दो।
मुझको त्याग दिया है मेरी शाख़ों ने,
तुम भी छोड़ो जाने दो,मुरझाने दो।
तुमने सिक्के का इक पहलू देखा है,
मुझको मेरा पहलू भी समझाने दो।
शायद खुद से भी हो जाए इश्क मुझे,
मुझको मुझ में थोड़ा वक्त बिताने दो।
गले पड़ी है जैसे कोई बेचैनी,
इक बारी तो मुझको गले लगाने दो।
ये सीने की आग जला देगी मुझको,
इसके पहले मुझको आग बुझाने दो।
सबने सारे उद्यम कर के देख लिये।
राणा को भी विष का पात्र पिलाने दो।

– सान्या राय

गन्ना किसानों के लिए योगी सरकार ने खोला खजाना

30 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाए दाम किसानों को मिलेगा फायदा

लखनऊ (एजेंसी)। 2027 में होने जा रहे यूपी विधानसभा चुनाव में भले ही अभी लंबा समय बाकी है, लेकिन उससे पहले ही सीएम योगी आदित्यनाथ ने एक बड़ी खुशखबरी दे दी है। योगी सरकार ने प्रदेश के गन्ना किसानों को बड़ा तोहफा देते हुए पेराई सत्र 2025–26

के लिए गन्ने के दाम में 30 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से बढ़ोतरी कर दी है। योगी सरकार ने अपने कार्यकाल में चौथी बार गन्ना के दामों में बढ़ोतरी की है। योगी सरकार ने बुधवार को गन्ना किसानों को ध्यान में रखते हुए बड़ा और ऐतिहासिक फैसला लिया। सरकार ने 30 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से रेट बढ़ा दिया है। योगी सरकार के इस फैसले के बाद अगेती प्रजाति के गन्ने का दाम 400 रुपए क्विंटल हो गया है। अभी तक अगेती प्रजाति का गन्ने का दाम 370 रुपए था।

सुबह सवेरे

भोपाल ■ गुरुवार, 30 अक्टूबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

महिलाएं नहीं पहन सकेंगी 3 से ज्यादा गहने

● देहरादून में नियम तोड़ने पर लगेगा 50 हजार रुपए का जुर्माना, ग्रामीणों का दावा- इससे दिखावा कम होगा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के देहरादून जिले के जौनसार-बावर क्षेत्र में किसी भी शादी या सामाजिक समारोह में महिलाएं सिर्फ 3 गहने पहन सकेंगी। नियम के मुताबिक महिलाएं केवल कान के कुंडल, आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर बोझ नहीं बढ़ेगा। चकराता ब्लॉक के कंदाड़ और इद्रोली गांव के लोगों का कहना है कि यह नियम किसी पर दबाव बनाने के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक सुधार की दिशा में

नाक की फुली और मंगलसूत्र ही पहन सकेंगी। यदि कोई महिला इस निर्णय का उल्लंघन करती है तो उस पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। यह निर्णय गांव की सामूहिक बैठक में लिया गया, जिसका उद्देश्य समाज में सादगी और समानता को बढ़ावा देना बताया गया है। ग्रामीणों का कहना है कि इस पहल से शादी-ब्याह में दिखावे की प्रवृत्ति कम होगी और उठाया गया कदम है। अब शादी और पारिवारिक आयोजनों में बाहरी दिखावे के बजाय सरलता और परंपरा को प्राथमिकता दी जाएगी। इससे समाज में बराबरी की भावना मजबूत होगी और गरीब परिवारों को राहत मिलेगी। गांव के बुजुर्गों ने बताया कि पहले के समय में सादगी को ही महत्व दिया जाता था। आधुनिक दौर में दिखावे और प्रतिस्पर्धा ने रिश्तों में दूरी पैदा कर दी थी।

राम मंदिर के शिखर पर लहराएगा 11 किलो का ध्वज

पैराशूट फैब्रिक से तैयार होगा,ध्वजारोहण के दूसरे दिन से पूरा मंदिर खुलेगा

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में भगवान राम का मंदिर बनकर तैयार हो चुका है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को एक साल नौ महीने पूरे हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर धर्मध्वजा फहराएंगे। केसरिया रंग की यह ध्वजा रामराज्य की परंपरा और मर्यादा का प्रतीक होगी। इस पर सूर्य, 'ओम?' और कोविदार वृक्ष के चिन्ह बने हैं। कोविदार अयोध्या का शाही वृक्ष है, जिसे कचनार भी कहा जाता है। मंदिर के 161 फुट ऊंचे शिखर पर 42 फुट का स्तंभ लगाया गया है। इसी पर 22 फुट लंबी और 11 फुट चौड़ी भगवा पताका लहराएगी। यह ध्वज पैराशूट फैब्रिक से बना है। जिसका वजन 11 किलो है। तेज हवाओं और आंधी-तूफान में भी इसे कोई नुकसान नहीं होगा। यह 360 डिग्री तक घूम सकेगा। प्रधानमंत्री मुख्य मंदिर के साथ 8 और मंदिरों

के शिखरों पर भी ध्वज फहराएंगे। ध्वजारोहण के बाद श्रद्धालुओं के लिए 70 एकड़ में फैले पूरे मंदिर परिसर को खोल दिया जाएगा। धार्मिक कार्यक्रम 21 नवंबर से शुरू होंगे। मुख्य समारोह 25 नवंबर की सुबह 10.30 से दोपहर 12.30 बजे तक चलेगा। इस दौरान श्रद्धालुओं के लिए रामलला के दर्शन अस्थायी रूप से बंद रहेंगे। लगभग 8 हजार अतिथियों को समारोह में आमंत्रित किया गया है। यह आयोजन विवाह पंचमी के दिन होगा, जब अयोध्या में भगवान राम और माता सीता का विवाहोत्सव मनाया जाता है। इस बार जब राम बारातें निकलेंगी, तब आसमान में 205 फीट ऊंचा भगवा ध्वज लहराएगा। यह क्षण अयोध्या के इतिहास में सदा के लिए दर्ज हो जाएगा। ध्वज पैराशूट फैब्रिक से बना है ताकि तेज हवाओं के झोंकों को आसानी से झेल सके।

ध्वजारोहण के अगले दिन से खुलेगा पूरा मंदिर परिसर

भवन निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि ध्वजारोहण के अगले दिन से श्रद्धालु पूरे मंदिर परिसर में दर्शन कर सकेंगे। रामलला के साथ छह मंदिरों, शेषावतार, सप्त मंडपम और कुबेर नवरत्न टीला तक पहुंच की अनुमति होगी। श्रद्धालुओं की भीड़ नियंत्रित रखने के लिए हर दिन दर्शन की संख्या सीमित रखी जाएगी, ताकि सबको सुगमता से प्रवेश मिले। नृपेंद्र मिश्रा ने बताया कि प्रधानमंत्री के अयोध्या आगमन और कार्यक्रम को लेकर विस्तृत चर्चा की गई है। उनसे अनुरोध किया जाएगा कि वे ध्वजारोहण के बाद सप्त मंदिर क्षेत्र, परकोटा और मंदिर की मुरल्स भी देखें। संभावना है कि प्रधानमंत्री सप्त मंदिर क्षेत्र में ऋषि-मुनियों के आश्रमों का भी अवलोकन करेंगे।

लालू जी, बिहार में मुख्यमंत्री की कुर्सी खाली नहीं:शाह

छतरपुर में साधू देखकर भड़का, कहा- लग्गी से चप्पल से मारूं, देश के लिए किया क्या है,गिरफ्तार

छतरपुर (मप्र)। छतरपुर में ... गिरफ्तार किया है। ... बाबूलाल चतुर्वेदी स्टेडियम के पास बुधवार सुबह वीडियो बनाया था। वीडियो में ... का झंड कहकर चप्पल से मारने की बात कहता सुनाई दे रहा है।

फरहान निजामी, आरोपी

... किशान मिटा दिया जाएगा। फरहान निजामी ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर चप्पल मारने की बात कही। वीडियो में फरहान कह रहा है- देखो भैया, यह आरएसएस की गैंग जा रही है। हम यहां आए थे, शाखा चल रही थी वह हमें देखकर भाग गई है। वीडियो में फरहान अभद्र भाषा बोलते हुए चप्पल मारने की ... कह रहा है। पुलिस ने आरोपी ... सिविल लाइन थाना प्रभारी सतीश सिंह ने बताया कि कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। ... किया है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

रीवा में एनएसयूआई का प्रदर्शन, पुलिस ने वाटर कैनन चलाई

पीएचडी एडमिशन में धांधली का आरोप, छात्र संगठन बोला-भाजपा की जय-जयकार करने वालों का चयन हुआ

रीवा (मप्र)। रीवा पीएचडी परीक्षा परिणाम में धांधली को लेकर विश्वविद्यालय में बुधवार को एनएसयूआई का प्रदर्शन देखने को मिला। जहां पुलिस ने लाठियां भांजी व वाटर कैनन का प्रयोग किया। छात्र संगठन का आरोप ... नारे लगाने का काम करते हैं सिर्फ वही पीएचडी प्रवेश परीक्षा में क्वालीफाई हुए हैं। ... प्रताप सिंह विश्वविद्यालय,रीवा में व्याप्त अनियमितताओं के विरोध में रीवा एनएसयूआई जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय के नेतृत्व में घेराव और प्रदर्शन किया गया।

पीएचडी एडमिशन में धांधली का आरोप- जिला अध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने बताया कि पीएचडी प्रवेश परीक्षा में केवल वही लोग पास हुए हैं जो बीजेपी नेताओं के करीबी हैं, 90 प्रतिशत से ज्यादा छात्र छात्राओं को पीएचडी के प्रवेश परीक्षा में फेल किया गया क्योंकि उनका कोई जुगाड़ नहीं था। पास सिर्फ उनको किया गया है जो बीजेपी नेताओं का जिंदाबाद करते हैं।

प्रोफेसरों और कुलपति के रिश्तेदारों और चहेतों का हुआ चयन- जो प्रोफेसरों और कुलपति के रिश्तेदार व करीबी हैं, पीएचडी प्रवेश परीक्षा में हुई कथित धांधली की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग व संबल मेधावी ... विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा यह बोलकर फीस ले ली जाती है कि सत्र के आखिर में आपकी फीस स्कॉलरशिप के माध्यम से वापस दे दी जाएगी लेकिन विगत कई वर्षों से फीस वापसी नहीं हुई है। अतः ली गई फीस की शीघ्र वापसी किया जाए, जो वर्षों से लंबित है और विश्वविद्यालय में कई प्राध्यापक ऐसे नियुक्त हैं जिनके पास न तो पीएचडी की डिग्री है और न ही उन्होंने यूजीसी नेट क्वालीफाई किया है तो वह विश्वविद्यालय में पढ़ाने के योग्य नहीं हैं लेकिन फिर भी वह विश्वविद्यालय में शिक्षा देने का काम कर रहे हैं। हमारी मांग है कि ... जाएं।

भारत आ रहे रूसी तेल जहाज ने अचानक लिया यूटर्न

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के रूसी तेल पर नए प्रतिबंध लगाए जाने के बाद, भारत आ रहे रूसी कच्चे तेल से भरे एक जहाज ने अचानक यूटर्न ले लिया है। शिप-ट्रैकिंग डेटा के अनुसार फ्यूरिया नाम का यह बड़ा जहाज मंगलवार को डेनमार्क और जर्मनी के बीच एक रुट से भारत की ओर आ रहा था। यह जहाज रूस की सरकारी तेल कंपनी रोसनेफ्ट का बेचा गया तेल लेकर आ रहा था। यू-टर्न लेने का यह वाकया अमेरिका के रूसी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल को ब्लैकलिस्ट करने के ठीक एक हफ्ते बाद हुआ है। अमेरिका के ट्रेजरी विभाग ने 22 अक्टूबर को कंपनियों और बैंकों को निर्देश दिया था कि इन दोनों कंपनियों प्रतिबंध का ऐलान किया था।

हाईवे पर डटे किसान,लगा भारी जाम

● बच्चू कडू ने मुंबई जाने से कर दिया है इनकार ● सड़क बंद होने से यात्रियों को घंटों हुई परेशानी

नागपुर (एजेंसी)। किसानों के आंदोलन के कारण नागपुर में दूसरे दिन भी महाजाम लगा रहा। पूर्व मंत्री बच्चू कडू नागपुर शहर से 16 किलोमीटर दूर बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे हैं, मगर नागपुर-हैदराबाद हाइवे (एनएच-44) पर 20 किलोमीटर तक गाड़ियों की लंबी लाइन लगी है। हाइवे के चारो लेन में ट्रैक्टरों और बैलगाड़ियों की कतार लगने से स्थिति और बिगड़ गई है। किसान नेता बच्चू कडू बारिश से फसल को नुकसान के मुआवजे और कर्जमाफी की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। पूर्व विधायक बच्चू कडू ने बुधवार को सरकार से बातचीत के लिए मुंबई जाने से भी इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि नागपुर-वर्धा राजमार्ग पर आंदोलन तब तक जारी रहेगा जब तक सरकार की तरफ से ठोस आश्वासन नहीं मिल जाता। किसान नेता ने चिंता जताते हुए कहा कि अगर वह विरोध स्थल छोड़ते हैं तो उनके समर्थकों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर जल्द ही जवाब नहीं मिला तो यातायात बाधित करेंगे।

● **नागपुर-हैदराबाद हाईवे पर लगा लंबा जाम-** किसानों के आंदोलन के कारण मंगलवार और बुधवार को नागपुर-हैदराबाद (एनएच-44) हाईवे पर 20 किलोमीटर लंबा भयंकर जाम लग गया। प्रदर्शनकारियों ने शहर से लगभग 16 किलोमीटर दूर एक महत्वपूर्ण चौराहे को ब्लॉक कर दिया था, जहां से सड़क समृद्धि एक्सप्रेसवे और मिहान-बुटीबोरी कॉरिडोर की ओर जाती है। सड़क पर स्थिति तब और बिगड़ गई जब ट्रैक्टर और बैलगाड़ियां चारों लेन में कतार में लग गईं। नागपुर में किसानों के इस आंदोलन ने दिल्ली में लंबे समय तक हुए किसान आंदोलन की याद दिला दी। महा एलगार रैली के बैनर तले हजारों किसान पूरी तरह से किसानों के लोन माफी और फसल नुकसान के लिए मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

बिहार में अब बाबर-औरंगजेब की एंट्री

सीवान (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी ने बिहार के सीवान में बाहुबली शहाबुद्दीन के गढ़ में रैली की। यहां बुलडोजर से उनका स्वागत किया गया तो वह खुश हो गए। कहा- यूपी में बुलडोजर माफिया की छाती पर ऐसे दौड़ता है कि सपा और उसके पार्टनर्स को सिर्फ फातिहा पढ़ने का मौका मिलता है। 22 मिनट के संबोधन में योगी ने आरजेडी और कांग्रेस पर हमला बोला। कहा, मुझे आश्चर्य है कि रघुनाथपुर विधानसभा से आरजेडी ने जिस प्रत्याशी को उतारा है, वह देश-दुनिया में अनी आपराधिक प्रवृत्ति के लिए जाना जाता है। नाम भी देखिए ओसामा शहाब। शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा, जैसा नाम वैसा काम।

पीएम मोदी ने ट्रंप से डरकर ऑपरेशन सिंदूर को रोका

राहुल बोले-मेरा चैलेंज है,प्रधानमंत्री कह दें ये झूठ है

दरभंगा, मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बिहार में बुधवार को 2 सभाएं कीं। पहली सभा मुजफ्फरपुर में दूसरी दरभंगा में हुई। दरभंगा में उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर

प्रधानमंत्री को घेरते हुए कहा, मोदी जी ट्रंप से डरते हैं। 50 बार अमेरिकी राष्ट्रपति ने बोला है। मैंने नरेंद्र मोदी को डराकर ऑपरेशन सिंदूर बंद कराया है। ट्रंप अलग-अलग देशों में जाकर उनका अपमान कर रहा है। कहता है मैंने मोदी को झुका दिया। उनके मुंह से आवाज नहीं निकली। ऐसा आदमी बिहार में विकास नहीं ला सकता।

राहुल गांधी बोले- वोट के लिए ड्रामा करते हैं मोदी

पीएम मोदी और नीतिश कुमार पर जमकर निशाना साधा। राहुल ने कहा, मोदी जी वोट के लिए कोई भी नाटक कर सकते हैं। उन्हें बस आपका वोट चाहिए। अगर आप मोदी जी को नाचने के लिए कहेंगे, तो वह नाचेंगे भी। मोदी जी ड्रामा करते हैं एक तरफ यमुना गंदा पानी उसे किसी ने पी लिया तो बीमार होगा या मरेगा। उसमें कोई अंदर नहीं जा सकता है इतना गंदा पानी है। घुसते ही बीमार हो जाएंगे। मगर मोदी जी ने ड्रामा किया, वहां छोटा सा तालाब बनाया। कहा, देखा 56 इंच की छाती है मुझे कुछ नहीं हो सकता। मैं भगवान से सीधे बात करता हूं। पीछे से पाइप लगाकर साफ पानी डाला जाता है। मीडिया दिखाती है मोदी जी ने यमुना में स्नान किया। इससे पहले राहुल गांधी ने मुजफ्फरपुर में सभा की। अपने 25 मिनट के भाषण में उन्होंने पीएम मोदी और नीतिश कुमार पर जमकर निशाना साधा।

रेप का दोषी आसाराम 6 महीने जेल से रहेगा बाहर

● राजस्थान हाईकोर्ट से पहली बार मिली है अंतरिम जमानत

जोधपुर (एजेंसी)। राजस्थान हाईकोर्ट (जोधपुर) ने नाबालिग से रेप के दोषी आसाराम को 6 महीने की जमानत दी है। कार्यवाहक चीफ जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की डिवीजन बेंच ने मंगलवार को जमानत याचिका पर सुनवाई की। याचिका मेडिकल आधार पर लगाई गई थी। राजस्थान हाईकोर्ट से उसे पहली बार जमानत मिली है। इससे पहले अंतरिम जमानत खत्म होने के बाद उसने 30 अगस्त को सरेंडर कर दिया था। दरअसल, आसाराम नाबालिग से रेप मामले में अप्रैल 2018 से आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। करीब 12 साल की कैद के बाद पहली बार 7 जनवरी 2025 को उसे मेडिकल कारणों से अंतरिम जमानत मिली थी। 29 अक्टूबर 2025 को राजस्थान हाईकोर्ट में आसाराम की सजा स्थगन और मेडिकल ग्राउंड पर जमानत की याचिका पर सुनवाई हुई थी। आसाराम की ओर से दिल्ली से आए सीनियर एडवोकेट देवदत्त कामत ने पैरवी की।

कैंसर का खतरा!

इथेनॉल उत्पादों पर बैन लगाने की तैयारी में यूरोप

● भारत की बढ़ गई चिंता,ईंधन ब्लेंडिंग और सैनिटेशन में होता है उपयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा इथेनॉल-आधारित उत्पादों पर लगाए जाने वाले संभावित प्रतिबंध की खबर ने भारत में चिंता पैदा कर दी है। यह कदम यूरोपीय केमिकल एजेंसी की उस रिपोर्ट के बाद उठाया गया है, जिसमें एथेनॉल में कैंसरकारी जोखिम की संभावना बताई गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह प्रतिबंध न केवल हैंड सैनिटाइजर और साफ-सफाई उत्पादों को प्रभावित करेगा, बल्कि भारत जैसे देशों में इथेनॉल ब्लेंडेड ईंधन की बढ़ती उपयोगिता पर भी सवाल खड़े कर सकता है। हालांकि, भारतीय विशेषज्ञों का कहना है कि सामान्य उपयोग में एथेनॉल से तत्काल कोई खतरा नहीं है। एथेनॉल का रोजमर्रा की जिंदगी में सबसे आम उपयोग हैंड सैनिटाइजर और अब ईंधन में मिश्रण के रूप में होता है। कोरोना महामारी के बाद से हैंड सैनिटाइजर लोगों की दिनचर्या का हिस्सा बन चुके हैं, जिससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या इन उत्पादों से कोई स्वास्थ्य जोखिम है। ईसीएचए के एक आंतरिक कार्य समूह ने 10 अक्टूबर को इथेनॉल को जहरीला पदार्थ घोषित करने की सिफारिश की थी, जिसमें कैंसर का खतरा बढ़ने और गर्भावस्था संबंधी जटिलताओं का उल्लेख किया गया है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईयू अब इथेनॉल को जैविक हानिकारक उत्पादों (जैसे हैंड सैनिटाइजर) में रिप्लेस करने पर विचार कर रहा है। एजेंसी की बायोसाइडल प्रोडक्ट्स कमिटी 25 से 27 नवंबर तक इस मुद्दे पर बैठक करने वाली है, जिसके बाद यूरोपीय आयोग अंतिम निर्णय लेगा। ईयू में इथेनॉल को कैंसरजन्य (कैंसर पैदा करने वाला), उत्परिवर्तक (म्यूटेजेनिक) या प्रजनन के लिए जहरीला (आरईपीआर ओटॉक्सिक) पदार्थ के रूप में वर्गीकृत करने की प्रक्रिया 2000 से चल रही है, लेकिन हालिया मूल्यांकन ने इसे नया मोड़ दिया है। ग्रीस द्वारा मार्च 2024 में सबमिट की गई रिपोर्ट में इथेनॉल का जिक्र है।

विधानसभा का शीतकालीन सत्र एक से पांच दिसंबर तक

सचिवालय जल्द जारी करेगा नोटिफिकेशन, सत्र की तैयारियां शुरू

भोपाल (नप्र)। विधानसभा का शीतकालीन सत्र एक से पांच दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। इसके लिए विधानसभा सचिवालय जल्द ही नोटिफिकेशन जारी करेगा। पांच दिन के छोटे सत्र में अनुपूरक बजट समेत चार विधेयक लाए जा सकते हैं। जहां विधेयकों को लेकर विभागों ने तैयारियां शुरू कर दी हैं तो विधानसभा सचिवालय ने भी सत्र की तैयारियां शुरू कर दी हैं। शीतकालीन सत्र को लेकर पिछले दिनों मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के बीच चर्चा के बाद सत्र बुलाने का प्रस्ताव राज्यपाल मंगुभाई पटेल को भेजा गया था, जिसकी मंजूरी राज्यपाल ने दे दी है। अब जल्द ही इसका नोटिफिकेशन किया जाएगा।

विधायक ऑनलाइन-ऑफलाइन सवाल पूछ सकेंगे- यह सत्र एक से पांच दिसंबर तक चलेगा, जिसमें विधायकों के सवालों की प्रक्रिया जल्दी ही शुरू होगी। विधायक ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही तरह के सवाल कर सकेंगे। नोटिफिकेशन जारी होने के साथ ही सवाल लगाने के साथ विधायकों के ध्यानाकर्षण और अन्य प्रस्तावों की समय अवधि तय होगी।

अरविंद शर्मा रहेंगे प्रमुख सचिव की भूमिका में- विधानसभा के शीतकालीन सत्र में इस बार प्रमुख सचिव की भूमिका में अरविंद शर्मा रहेंगे। शर्मा एक अक्टूबर से विधानसभा के नए प्रमुख सचिव बनाए गए हैं। इसके पहले अवधेश प्रताप सिंह विधानसभा के प्रमुख सचिव रहे हैं, जो 30 सितंबर को रिटायर होने के बाद मध्य प्रदेश मानव अधिकार आयोग के सदस्य बनाए गए हैं।

ट्रेनर फ्रेटरनिटी की तीसरी बैठक आयोजित

ट्रेनर्स ने जाना लिंक्डइन का सही उपयोग, लगभग 30 ट्रेनर्स हुए शामिल

भोपाल (नप्र)। सेंट्रल इंडिया की पहली ट्रेनर फ्रेटरनिटी की तीसरी बैठक आयोजित हुई। इस बैठक में भोपाल ट्रेनर्स फोरम के ट्रेनर्स ने जाना कि कैसे लिंक्डइन का सही उपयोग कर वे भोपाल में बैठकर भी अपने बिजनेस को बोस्टन तक पहुंचा सकते हैं। बैठक एक निजी होटल में आयोजित हुई। इस बैठक में आईटी, साइबर, बैंकिंग, फाइनेंस, इंश्योरेंस, एजुकेशन, एड-टेक, इंजीनियरिंग और लाइफ कोचिंग जैसे अलग-अलग क्षेत्रों के लगभग 30 ट्रेनर्स शामिल हुए। इस बार का सत्र दिवाली मिलन के साथ लिंक्डइन से

पर्सनल ब्रांडिंग और नेटवर्क बिल्डिंग विषय पर केंद्रित रहा।

हर प्रोफेशनल को ट्रेनिंग लेनी चाहिए- अक्षत श्रीवास्तव ने बताया कि कैसे प्रोफेशनल्स लिंक्डइन के जरिए अपने क्लाइंट बेस को बढ़ा सकते हैं और ग्लोबल लेवल पर खुद को स्थापित कर सकते हैं। अक्षय श्रीवास्तव के लिंक्डइन पर 22 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। मुख्य आयोजिका डॉ. संगीता कुमार ने कहा कि लिंक्डइन आज हर प्रोफेशनल के लिए ग्लोबल अवसरों के द्वार खोलता है। इसलिए इसके उपयोग की ट्रेनिंग हर प्रोफेशनल को मिलनी चाहिए।

सिर्फ ट्रेनर के लिए आयोजित हुई बैठक- पुष्पराज श्रीवास्तव ने बताया कि सेंट्रल इंडिया में यह पहली बार है जब केवल ट्रेनर्स के लिए इस तरह की बैठक आयोजित की गई है। इसका मकसद है ट्रेनर्स को क्रॉस-लर्निंग और नेटवर्किंग का साझा मंच देना। स्पर्श द्विवेदी ने कहा कि इस मंच के माध्यम से ट्रेनर्स को जॉब और प्रोजेक्ट रेफरल्स में भी मदद मिलेगी। कार्यक्रम में रचना बावा ने आइस ब्रेकिंग एक्टिविटी सिखाई, जिससे सभी ट्रेनर्स ने एक-दूसरे से बेहतर जुड़ाव महसूस किया।

नर्स की एक्सीडेंट में मौत

6 महीने पहले हुई थी शादी, टक्कर मारने वाले पर्स और मोबाइल भी ले भागे

भोपाल (नप्र)। भोपाल की 25 वर्षीय नर्स का विदिशा में एक्सीडेंट हो गया। घटना रविवार की है, इलाज के दौरान हमीदिया हॉस्पिटल में बुधवार सुबह उसकी मौत हो गई। युवती की 6 महीने पहले ही शादी हुई थी।

पति के साथ मायके से ससुराल जाते समय एक लोडिंग वाहन की चपेट में आने से घायल हो गई थी। हादसे में बाइक चला रहे पति को मामूली चोट आई हैं। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद जिस वाहन ने युवती को टक्कर मारी, उसी का चालक उसका मोबाइल और पर्स लेकर भाग गया है। पर्स में पांच हजार रुपए से अधिक कैश और ज्वैलरी थी।

जानकारी के मुताबिक वर्षा लोधी (25) कांप गांव विदिशा की रहने वाली थी। उसके जीजा राज लोधी ने बताया कि भोपाल के अयोध्या नगर में स्थित मां हास्पिटल में साली बतौर नर्स जॉब करती थी। दीपावली में अपने मायके गई थी।

वर्षा का पति राज रविवार को उसे मायके में लेने पहुंचा था। यहां से वर्षा पति के साथ ससुराल जाने के लिए दोपहर के समय रवाना हुई। घर से करीब आठ किलोमीटर की दूरी पर प्रदीप की बाइक को पीछे से पिकअप वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में पीछे बैठी वर्षा के सिर में गंभीर चोट आई। उसे पहले वहीं एक अस्पताल ले जाया गया, जहां से इलाज के लिए भोपाल के हमीदिया में रिफर कर दिया गया। हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान बुधवार तड़के उसकी मौत हो गई।

घटना के बाद का वीडियो सामने आया- घटना के बाद टक्कर मारने वाले पिकअप वाहन के पीछे चल रहे अन्य वाहन के चालक ने वीडियो बनाया है। जिसमें उसने बताया कि टक्कर मारने वाला वाहन उसके आगे चल रहा था।

चलती गाड़ी में नींद लगने के कारण हादसा हुआ है। इधर, राज लोधी का आरोप है कि हादसे के बाद से वर्षा का मोबाइल फोन और हैंड बैग गायब है।

पहले भी हुआ था एक्सीडेंट

वर्षा को पति शादी के बाद जब पहली बार उसके घर से लेने पहुंचा था, तब भी उसकी बाइक हादसे का शिकार हुई थी। तब पति को मामूली चोट आई, जबकि वर्षा के पांव में फ्रेक्चर आया था, उसके हाथ और सिर में गंभीर चोट लगी थी। शादी के बाद 6 महीने के भीतर उसका दूसरी बार बड़ा एक्सीडेंट हुआ और उसकी मौत हो गई।

दसवीं की छात्रा ने फांसी लगाई

भोपाल (नप्र)। बैरसिया इलाके में बुधवार की सुबह दसवीं की छात्रा ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। शव को फंदे से उतारने के बाद परिजनों ने अस्पातल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। छात्रा के मोबाइल को जांच के लिए एफएसएल भेजा जा रहा है। मामले में मर्ग कायम कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के मुताबिक ग्राम हिरणखेड़ी निवासी वंदना राजपूत पुत्र रघुवीर सिंह (17) कक्षा दसवीं की छात्रा थी।

शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा- बुधवार सुबह उसने अपने घर में फांसी लगा ली। घटना की खबर लगते ही अस्पताल पहुंची पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। सुसाइड नोट नहीं मिलने से कारणों का खुलासा नहीं हो सका है।

महिला डीएसपी ने चुराए 2 लाख कैश-मोबाइल

दोस्त के घर गई थी, सीसीटीवी में हाथ में नोट की गड्डी लेकर लौटते हुए दिखी

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश पुलिस मुख्यालय (पीएचक्यू) में पदस्थ डीएसपी कल्पना रघुवंशी पर अपनी ही फ्रेंड के घर से दो लाख रुपए कैश और एक मोबाइल फोन चोरी करने का आरोप लगा है। जहांगीराबाद पुलिस ने आरोपी डीएसपी के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर ली है। महिला अधिकारी सीसीटीवी कैमरे में फ्रेंड के घर आते-जाते समय नजर आ रही है। केस 24 सितंबर को दर्ज किया गया, जबकि वीडियो फुटेज बुधवार को सामने आए हैं।

घर में घुसकर उनका बैग चोरी कर लिया- जानकारी के मुताबिक प्रमिला तिवारी गल्ला मंडी जहांगीराबाद में रहती हैं। डीएसपी कल्पना रघुवंशी उनकी दोस्त हैं। उनका प्रमिला के घर आना-जाना था। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 24 सितंबर को वह और उनकी बेटी घर पर थीं। दोपहर में नहाने के लिए कमरे में गईं थी। गेट खुला था। तभी किसी ने घर में घुसकर उनका एक बैग चोरी कर लिया। बैग में मोबाइल फोन और दो लाख रुपए कैश था। फरियादी के अनुसार, नहाने के बाद उन्होंने चेक किया तो बैग-पैसे और मोबाइल गायब थे। प्रमिला ने पुलिस को बताया कि कैश उन्होंने बच्चे की फीस के लिए रखा था।

घर से निकलते समय हाथ में नोटों की गड्डी

शक होने पर प्रमिला ने सीसीटीवी फुटेज देखा। इसमें डीएसपी कल्पना रघुवंशी घर में आती-जाती हुई साफ दिखाई दीं। यह भी नजर आया कि घर से निकलते समय उनके हाथ में नोटों की गड्डी थी। वीडियो देखकर प्रमिला शॉक्ड रह गईं। उन्होंने फौरन थाने में शिकायत दर्ज कराई।

भावांतर योजनांतर्गत कृषि उपज मंडियों में हो रही है सोयाबीन की खरीदी

27 हजार 63 किसानों से 47 हजार 493 टन सोयाबीन की खरीदी

भोपाल(नप्र)। प्रदेश में सोयाबीन फसल के लिए लागू की गई भावांतर योजना में 9 लाख 36 हजार 352 किसानों ने पंजीयन कराया है। सोयाबीन का विक्रय 24 अक्टूबर से प्रारंभ हुआ है जो 15 जनवरी 2026 तक जारी रहेगा। अभी तक 27 हजार 63 किसानों से 47 हजार 493 टन सोयाबीन खरीदी गई है।

मंगलवार 28 अक्टूबर को 10 हजार 851 किसानों से 19 हजार 191 टन सोयाबीन की खरीदी हुई। कृषि उपज मंडी देवास में सर्वाधिक 1699, इंदौर में 1579, उज्जैन में 1538, गंजबासौदा में 1283, बैरसिया में 1154, आगर में 1085, आष्टा में 1061, शाजापुर में 1053, तराना में 1040 एवं सागर मंडी में 962 टन सोयाबीन की खरीदी हुई। इसी प्रकार सर्वाधिक किसानों के पहुँचने की टॉप मंडियों में गंजबासौदा मंडी में 1254, देवास में 1182, उज्जैन में 1106, आष्टा में 1075, बैरसिया में 900, आगर में 891, इंदौर में 795, शाजापुर में 787, सीहोर में 741 एवं नरसिंहगढ़ मंडी में 701 किसान सोयाबीन की विक्री के लिए पहुँचे। मंडी बड़नगर जिला उज्जैन में अधिकतम भाव 5725 रूपये प्रति क्विंटल रहा। प्रदेश में सोयाबीन की बुवाई का रकवा गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 58.72 लाख हेक्टेयर था जो वर्तमान में 53.20 लाख हेक्टेयर है। इस वर्ष 2025-26 में 55.54 लाख मीट्रिक टन सोयाबीन का उत्पादन हुआ है। भावांतर योजनांतर्गत 3 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक पंजीयन हुए थे। सोयाबीन खरीदी के प्रथम मॉडल भाव की घोषणा 7 नवंबर 2025 को की जाएगी।

एमपी में 50 लाख वोटर हटाने की तैयारी

नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने कहा-एसआईआर यानी सिलेक्टिव इंटेंसिव रिमूवल

1 महीने में वोटर्स की जांच कैसे संभव?

भोपाल (नप्र)। एमपी सहित 12 राज्यों में चल रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए है।

भोपाल में अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में सिंघार ने कहा कि चुनाव आयोग ने इसे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का नाम दिया है, लेकिन वे इसे सिलेक्टिव इंटेंसिव रिमूवल मानते हैं यानी वोटर लिस्ट से चुनिंदा नाम हटाने की प्रक्रिया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब आयोग हर साल स्पेशल समरी रिवीजन (एसएसआर) करता आया है, तो अब एसआईआर की आवश्यकता क्यों पड़ी? हर साल जनवरी में नाम जोड़ने और हटाने का काम होता है, तो क्या आयोग को अपनी ही प्रक्रिया पर विश्वास नहीं है? अगर आयोग को खुद पर भरोसा नहीं, तो जनता उस पर कैसे भरोसा करेगी?

आयोग ही गड़बड़ी कर रहा, तो एसआईआर पर विश्वास कैसे करें

सिंघार ने कहा कि उन्होंने 19 अगस्त को हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में वोट चोरी के कई प्रमाण प्रस्तुत किए थे, लेकिन अब तक न एमपी चुनाव आयोग और न ही भारत निर्वाचन आयोग ने कोई जवाब दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी ने चुनाव आयोग के एजेंट के रूप में जवाब दिया था।

सिंघार ने कहा, दो महीने में 16 लाख वोट बढ़े थे, और 9 जून 2025 को आयोग ने पत्र जारी कर कहा कि अंतिम सूची के बाद जो नाम जोड़े जाएंगे, उनकी जानकारी न तो किसी वेबसाइट पर डाली जाएगी, न किसी को दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि एमपी के अलावा कई अन्य राज्यों में भी आयोग ने इस तरह के आदेश जारी किए हैं। जब आयोग ही गड़बड़ी कर रहा है, तो हम एसआईआर पर कैसे विश्वास करें?

एक महीने में वोटर्स की जांच कैसे संभव

सिंघार ने बताया कि प्रदेश में 5 करोड़ 65 लाख मतदाता और 65 हजार मतदान केंद्र हैं। देश में कुल 51 करोड़ मतदाता हैं। उन्होंने कहा, 4 नवंबर से 4 दिसंबर के बीच सिर्फ एक महीने में साढ़े पांच करोड़ मतदाताओं की जांच कैसे संभव है? यह आयोग का अजूबा काम हो रहा है। सिंघार ने यह भी कहा कि इतनी कम अवधि में हर व्यक्ति के दस्तावेज सत्यापित करना संभव नहीं है, ऐसे में पारदर्शिता कैसे बनी रहेगी?

50 लाख लोगों के नाम काटने की साजिश है यह

सिंघार ने कहा कि बिहार में लाखों लोगों को वोटर लिस्ट से हटा दिया गया। कई मजदूर जो बाहर काम कर रहे थे, उन्हें डिलीट लिस्ट में डाल दिया गया। उन्होंने लोकसभा में 20 जुलाई 2023 को दिए गए एक जवाब का हवाला देते हुए कहा कि 50 लाख एमपी के लोग बाहर काम करते हैं, तो क्या उन्हें एमपी वापस आना पड़ेगा कि वे यहां के निवासी हैं? उनका आरोप था कि 50 लाख लोगों के नाम काटने की साजिश रची जा रही है। जब 16 लाख वोटों में गड़बड़ी की स्थिति बन सकती है, तो 50 लाख नाम काटने पर क्या होगा?

आदिवासी वोटर्स के नाम भी काटने की तैयारी

सिंघार ने यह भी आरोप लगाया कि भाजपा आदिवासी मतदाताओं के वोट काटने की तैयारी कर रही है। आदिवासियों के पास न इंटरनेट है, न कंप्यूटर। तीन लाख आदिवासियों के वनाधिकार पट्टे खारिज कर दिए गए, यानी 12 से 18 लाख वोट काटने की तैयारी पहले ही कर ली गई। सिंघार ने चेतावनी दी कि यह साजिश दलित, अल्पसंख्यक और ओबीसी समुदायों तक भी पहुंचेगी। ये लोग भी रोजगार के लिए बाहर जाते हैं, और जब बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) उन्हें घर पर नहीं पाएंगे, तो उनके नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए जाएंगे।

सात फरवरी तक कलेक्टर, जॉइंट कलेक्टर, तहसीलदारों के तबादले नहीं हो सकेंगे, लगी रोक

चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव को दिए निर्देश, बगैर परमिशन नहीं हट सकेंगे ये अफसर

भोपाल (नप्र)। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश श्री संजीव कुमार झा ने एसआईआर के संबंध में कमिश्नर और जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ वीसी के माध्यम से बैठक की।

प्रदेश में अब सात फरवरी तक कलेक्टर, एसडीएम (संयुक्त कलेक्टर और डिप्टी कलेक्टर), तहसीलदार के तबादले नहीं किए जा सकेंगे। चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव को निर्देश जारी कर कहा है कि इन अधिकारियों के तबादले एसआईआर की प्रक्रिया पूरी होने तक नहीं किए जाएं। अत्यधिक जरूरी होने पर चुनाव आयोग की परमिशन के बाद तबादले किए जा सकेंगे। सरकार इस अवधि में सीनियर आईएएस अफसरों के तबादले कर सकेगी, इस पर कोई रोक नहीं रहेगी।

भारत निर्वाचन आयोग ने इसको लेकर जारी निर्देश में मुख्य सचिव से साफ तौर पर कहा है कि मतदाता सूची के काम में जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर, उप जिला निर्वाचन अधिकारी, रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (जॉइंट कलेक्टर या डिप्टी कलेक्टर), सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (तहसीलदार या नायब तहसीलदार) के तबादले एसआईआर की प्रक्रिया शुरू होने के बाद नहीं होंगे। आयोग ने कहा है कि मुख्य सचिव की यह भी जिम्मेदारी होगी कि किसी भी विधानसभा क्षेत्र में रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी का पद रिक्त नहीं होना चाहिए ताकि आयोग द्वारा तय टाइमलाइन में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण की कार्यवाही की जा सके। इस काम में आवश्यक बीएलओ और सुपरवाइजर्स की कमी भी नहीं हो, इसका ध्यान कलेक्टर और राज्य शासन रखेगा।

- **अपर कलेक्टर प्रभावित नहीं, संभागायुक्त मॉनिटरिंग करेंगे-** चुनाव आयोग ने वैसे तो तबादले से संभागायुक्तों को सीधे तौर पर प्रतिबंधित नहीं किया है लेकिन मतदाता सूची के परीक्षण की पूरी प्रक्रिया की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी संभागायुक्तों को सौंपी गई है। इसलिए संभागायुक्त भी तबादले से बचे रह सकते हैं। जिलों में पदस्थ अपर कलेक्टर स्तर के अधिकारी जो अपर कलेक्टर और सीईओ जिला पंचायत की जिम्मेदारी निभाते हैं वे जरूर चुनाव आयोग के तबादला प्रतिबंध के दायरे में नहीं आएंगे। सरकार उनके तबादले कर सकती है।
- **आईपीएस, एसपीएस और सीनियर आईएएस पर भी रोक नहीं-** चुनाव आयोग ने यह भी साफ किया है कि पुलिस अधीक्षक, आईजी और अन्य सीनियर आईपीएस के अलावा एसडीओपी, सीएसपी, डीएसपी स्तर के अधिकारी या टीआई भी किसी तरह के तबादले के प्रतिबंध में नहीं रहेंगे। सरकार चाहे तो मंत्रालय और विभिन्न विभागों में पदस्थ सीनियर आईएएस अफसरों के भी तबादले कर सकती है। ऐसा इसलिए क्योंकि ये अधिकारी मतदाता सूची के रजिस्ट्रीकरण की कार्यवाही से किसी तरह से सीधे तौर पर नहीं जुड़े हैं।

खातेगांव जल प्रदाय परियोजना का कार्य तेजी से जारी

परियोजना की लागत 33 करोड़ 21 लाख रूपये

भोपाल (नप्र)। देवास जिले की खातेगांव जल प्रदाय परियोजना का कार्य एशियन डेवलपमेंट बैंक के सहयोग से तेजी से किया जा रहा है। परियोजना के तहत नर्मदा नदी से जल लेकर 7.9 एमएलडी क्षमता वाले जल शोधन संयंत्र में शुद्ध किया जाएगा। वर्तमान में 4.75 एमएलडी क्षमता का नया जल शोधन संयंत्र बनाया जा रहा है, जबकि 3.75 एमएलडी क्षमता का संयंत्र पहले से ही कार्य कर रहा है। जल संग्रहण के लिए 1000 किलोलीटर क्षमता का नया ओवरहेड टैंक बनाया जा रहा है। साथ ही एक मौजूदा ओवरहेड टैंक का उपयोग भी किया जाएगा। परियोजना के अंतर्गत कुल 6 हजार 300 घरों में नल कनेक्शन दिए जाने का कार्यक्रम बनाया गया है, इनमें से अब तक 3 हजार 526 घरों को जल प्रदाय नेटवर्क से जोड़ा जा चुका है।

इस योजना से खातेगांव की लगभग 18 हजार से अधिक की आबादी को शुद्ध पेयजल की सुविधा प्राप्त होगी। परियोजना की कुल लागत करीब 33 करोड़ 21 लाख रुपये है और कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र में पेयजल संकट का स्थायी समाधान होगा तथा नागरिकों के जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आएगा। उल्लेखनीय है कि कार्य के अंतर्गत नर्मदा नदी पर निर्माणाधीन इंटेक वेल का कार्य भी पंप के फ्लोर लेवल तक पूर्ण होकर एपोर्च ब्रिज का कार्य जारी है। वहीं खातेगॉव नगर परिषद के पुराने ट्रेंचिंग ग्राउंड पर जल शोधन संयंत्र के विभिन्न घटकों का निर्माण भी तेज गति से जारी है।

संपादकीय

लोकपाल और लग्जरी कारें

दो सवाल शिद्दत से पूछे जा रहे हैं। पहला तो यह कि मोदी राज में देश में भ्रष्टाचारोधी संस्थाओं का क्या कोई मतलब यह गया है और दूसरा, जो संवैधानिक संस्थाएं भ्रष्टाचार पर अंकुश के लिए बनाई गई हैं, उन्हें ऐशो आराम के साधन क्यों चाहिए? दरअसल यह सवाल हाल में तेजी से तब उठा,जब देश के 'एंटी करप्शन वॉचडॉग' कहे जाने वाले लोकपाल ने अपने लिए 7 लग्जरी गाड़ियां खरीदने का टेंडर निकाला। महंगी बीएमडब्ल्यू कंपनी की ये लग्जरी गाड़ियां हैं। हर गाड़ी की कीमत करीब 70 लाख रुपये बताई जा रही है।16 अक्टूबर को जारी इस टेंडर के तहत लोकपाल के प्रत्येक सदस्य जिसमें चेयरपर्सन पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज अजय माणिकराव खानविलकर भी शामिल हैं, को एक-एक बीएमडब्ल्यू कार दी जाएगी। इसी बात पर सोशल मीडिया में भारी विवाद छिड़ गया है। एक्टिविस्ट-लॉयर प्रशांत भूषण ने ट्वीट करते हुए कहा कि सरकार ने 'लोकपाल संस्था को पूरी तरह कमजोर कर दिया है और अब इसके सदस्य खुद को लग्जरी में डुबो रहे हैं।' गौरतलब है कि सार्वजनिक जीवन में स्वच्छ आचरण और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए लोकपाल कानून लाया गया था। इसके तहत पीसी घोष 2019 में देश के पहले लोकपाल बने थे। अर्थात् लोकपाल की नियुक्तियां मोदी सरकार के कार्यकाल में शुरू हुई तथा इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार के संकल्प का प्रतीक माना गया। वर्तमान में अभय माणिकराव खानविलकर है, जिनकी नियुक्ति मोदी सरकार ने पिछले साल की थी। अब सवाल यह कि अगर लोकपाल संस्था बीते 6 सालों से काम कर रही है तो उसे अचानक महंगी गाड़ियों की जरूरत क्यों पड़ी ? आधिकारिक कार्य बेहतर भारतीय गाड़ियों में चल कर भी हो सकता है। हालांकि यहां यह तर्क दिया जा सकता है कि आजकल सुरक्षा कारणों और दिखावे के लिए भी महंगी विदेशी गाड़ियां लगभग सभी लोग ले रहे हैं तो फिर लोकपाल इसका अपवाद क्यों रहे। यह बात अपनी जगह ठीक है, लेकिन लोकपाल इससे अलग राह चुनकर सदाचार की मिसाल पेश कर सकता था। हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि लोकपाल के काम का आकलन उसकी महंगी गाड़ियों की बजाए भ्रष्टाचार पर शिकंजा कसने के उसके कार्यकलापों से ज्यादा किया जाना चाहिए। इस लिहाज से भी लोकपाल का काम बहुत चमकदार नहीं है। सवाल जस्टिस खानविलकर के पूर्व के फैसलों पर भी है। मसलन सुप्रीम कोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून (पीएमएलए) के कई कठोर प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा था, जिनमें प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को गिरफ्तारी, तलाशी और जब्ती के लगभग मनमाने अधिकार, आरोपी पर सबूत देने की उलटी जिम्मेदारी, आत्म-अभियोगी बयान आदि शामिल थे। उस डिवीजन बेंच में जस्टिस खानविलकर शामिल थे। इस फैसले का आशय था कि जब तक दोषी निर्दोष साबित नहीं हो जाता, तब तक दोषी मानना ठीक नहीं है। इस फैसले के कुछ दिन बाद ही जस्टिस खानविलकर लोकपाल नियुक्त हो गए। अब लोकपाल के परफॉर्मेंस को देखें तो 2019 से अब तक, लोकपाल ने भ्रष्टाचार के केवल 34 मामलों में जांच के आदेश दिए और महज 7 मामलों में अभियोजन की अनुमति दी। इनमें बैंक अधिकारियों या लोक सेवकों से जुड़े मामूली मामले थे, जैसे कर्मचारियों के वेतन की हेराफेरी या फर्जी यात्रा बिल। लोकपाल ने अब तक जिन प्रमुख नामों की जांच कराई है, वे हैं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा और झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के दिवंगत प्रमुख शिबू सोरेन–दोनों के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद निशिकांत दुबे की शिकायतों पर। लोकपाल ने पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ एक शिकायत को खारिज कर दिया था, जबकि प्रधानमंत्री के खिलाफ दर्ज चार अन्य शिकायतों की स्थिति अस्पष्ट है।

नजरिया

संजय सक्सेना

लेखक लखनऊ निवासी वरिष्ठ पत्रकार हैं।

बिहार के बजट से चार गुना बड़े तेजस्वी के वायदे

विपक्षी नेताओं का रुख और भी आक्रामक है। भाजपा के वरिष्ठ नेता व केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का कहना है कि तेजस्वी यादव यह मानकर चल रहे हैं कि बिहार की जनता केवल झूठे वादों पर वोट देगी। जिन योजनाओं की वह बात कर रहे हैं, वे राज्य की आर्थिक क्षमता से बाहर हैं। यह वादे नहीं, दिवास्वप्न हैं। वहीं जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, जिस व्यक्ति ने 18 महीनों में एक भी वादा पूरा नहीं किया और अब फिर वही पुराने जुमले दोहरा रहे हैं, उससे जनता अब भ्रमित नहीं होगी। वादे तभी पूरे होते हैं जब नीयत और नीति दोनों साफ हो। तेजस्वी यादव और महागठबंधन की तरफ से भी सफाई दी जा रही है। राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी का कहना है कि तेजस्वी यादव ने युवाओं को रोजगार देने का जो संकल्प लिया है, वह बिहार की वास्तविक जरूरत है। नीतीश कुमार की सरकार ने जो कुछ नहीं किया, उसे अब पूरा करना तेजस्वी की जिम्मेदारी है। बजट का सवाल बाद में देखा जाएगा, लेकिन राजनीति जनभावना से चलती है, कागजी गणित से नहीं।

बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान की तारीख नजदीक आ रही है। 6 और 11 नवंबर को मतदान होगा और 14 को नतीजे आ जाएंगे। इस बीच तमाम दलों के नेता वोटरों को लुभाने का कोई भी मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं। हर दल की तरफ से दावों और वायदों की खैरात बांटने की बड़ी-बड़ी बातें की जा रही हैं, लेकिन इसमें महागठबंधन में शामिल सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) ने सभी हदें पार कर दी हैं। राजद की बैसाखी के सहारे बिहार में अपनी जड़ें तलाश रही कांग्रेस भी राजद के साथ सुर में सुर मिला रही है। राजद नेता और महागठबंधन के सीएम फेस तेजस्वी यादव के चुनावी वादों की झड़ी ने बिहार में सियासी हलचल मचा दी है। उन्होंने हाल ही में जिन योजनाओं और रियायतों का वादा किया है, उनकी कुल अनुमानित लागत बिहार के मौजूदा वार्षिक बजट से लगभग चार गुना अधिक बताई जा रही है। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह वादे आर्थिक व्यवहार्यता के दायरे में आते हैं या फिर यह केवल जनता को लुभाने की एक रणनीति है। विपक्षी दल और कई अर्थशास्त्री अब खुलकर कह रहे हैं कि यह खैरात बांटने की राजनीति बिहार को आर्थिक संकट की ओर ले जा सकती है।

तेजस्वी यादव ने अपने हालिया जनसभाओं और घोषणाओं में युवाओं को लाखों नौकरियों, छात्रों को मुफ्त लैपटॉप, किसानों की कर्जमाफी, हर गरीब को भत्ते जैसी कई मनलुभावन योजनाओं की घोषणा की है। उनकी पार्टी की तरफ से यह दावा किया जा रहा है कि यह सब न्याय का रोजगार और विकास का अधिकार के तहत आने वाली योजनाएं हैं, जो सत्ता में आने पर प्राथमिकता पर लागू की जाएंगी। परंतु यही दावे अब राजनीतिक विमर्श का केंद्र बन गए हैं। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि बिहार पहले से ही राजस्व संग्रहण में पिछड़ा हुआ राज्य है। राज्य की कुल आय मुख्यत: केंद्र सरकार से मिलने वाले अनुदानों और टैक्स शेयरिंग पर निर्भर करती है। पटना विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त अर्थशास्त्री प्रो. अजय नारायण सिंह का कहना है, तेजस्वी यादव के वादों की कुल लागत करीब चार लाख करोड़ रुपये से ऊपर बैठती है, जबकि बिहार का वार्षिक बजट मुश्किल से 2.60 लाख करोड़ रुपये का है। ऐसे में यदि उन्होंने जो कुछ कहा है, उसे लागू करना हो तो राज्य को या तो भारी-भरकम कर्ज लेना पड़ेगा या फिर विकास कार्यों पर खर्च कटौती करनी होगी।

विपक्षी नेताओं का रुख और भी आक्रामक है। भाजपा के वरिष्ठ नेता व केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का कहना है कि तेजस्वी यादव यह मानकर चल रहे हैं कि बिहार की जनता केवल झूठे वादों पर वोट देगी। जिन योजनाओं की वह बात कर रहे हैं, वे राज्य की आर्थिक क्षमता से बाहर हैं। यह वादे नहीं, दिवास्वप्न हैं। वहीं जदयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा, जिस व्यक्ति ने 18 महीनों में एक भी वादा पूरा नहीं किया और अब फिर वही पुराने जुमले दोहरा रहे हैं, उससे जनता अब भ्रमित नहीं होगी। वादे तभी पूरे होते हैं जब नीयत और नीति दोनों साफ हो। तेजस्वी यादव और महागठबंधन की तरफ से भी सफाई दी जा रही है। राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी का कहना है कि तेजस्वी यादव ने युवाओं को रोजगार देने का जो संकल्प लिया है, वह बिहार की वास्तविक जरूरत है। नीतीश कुमार की सरकार ने जो कुछ नहीं किया, उसे अब पूरा करना तेजस्वी की जिम्मेदारी है। बजट का सवाल बाद में देखा जाएगा, लेकिन राजनीति जनभावना से चलती है, कागजी गणित से नहीं।

हालांकि, जानकारों का मानना है कि राजनीतिक घोषणाओं का यह तरीका बिहार में कोई नया नहीं है। हर चुनाव से पहले पार्टियां मुफ्त योजनाओं, नौकरियों और नकद सहायता का वादा करती हैं। लेकिन नए आंकड़ों और राज्य के आर्थिक ढांचे को देखते हुए, बिहार वर्तमान में ऐसी किसी आर्थिक अति का बोझ उठाने में सक्षम नहीं दिखता। बिहार की प्रति व्यक्ति आय अब भी राष्ट्रीय औसत से आधी है, और बेरोजगारी दर देश में शीर्ष पर बनी हुई है। दिलचस्प यह है कि तेजस्वी यादव का यह अभियान युवा वर्ग और गरीब तबके के बीच तेजी से लोकप्रिय होता दिख रहा है। सोशल मीडिया पर उनके वादे वायरल हैं और बड़ी संख्या में युवाओं ने इसे बदलाव का ब्लूप्रिंट कहा है। इस जनसमर्थन को देखकर भाजपा और जदयू दोनों ही सतर्क दिखाई दे रहे हैं। जबकि कांग्रेस और वाम दलों के सहयोग से महागठबंधन ने इस बार जनता को सीधा आर्थिक लाभ देने वाला एजेंडा अपनाया है। बिहार की अर्थव्यवस्था पर नजदीकी नजर रखने वाले पूर्व वित्त अधिकारी राजीव रंजन का कहना है कि राजनीतिक दृष्टि से ऐसे वादे शॉर्ट टर्म में प्रभावी हो सकते हैं, लेकिन आर्थिक दृष्टि से यह फिस्कल डिसिप्लिन को खत्म करने वाला कदम होगा। राज्य यदि मुफ्तखोरी के चक्कर में फंस गया, तो अगले पांच वर्षों में वित्तीय घाटा दोगुना हो सकता है। उन्होंने आगे कहा कि बिहार को दीर्घकालीन रणनीति चाहिए जैसे उद्योगों में निवेश, शिक्षा और कौशल विकास केवल खैरात पर आधारित चुनावी घोषणाएं नहीं।

दूसरी ओर, जनता के एक हिस्से में यह सोच तेजी से पनप रही है कि भाजपा और जदयू के लंबे शासन में अपेक्षित परिवर्तन नहीं आया, इसलिए तेजस्वी को मौका दिया जाना चाहिए। अररिया के एक किसान नेता रामसागर यादव कहते हैं, सरकारें तो पहले भी आईं, पर गरीब को कुछ नहीं मिला। अगर तेजस्वी कुछ वादा कर रहे हैं, तो उसे मौका देना चाहिए। अगर वह झूठे साबित हुए, तो अगली बार जनता जवाब दे देगी। यह प्रतिक्रिया बताती है कि बड़ी जनसंख्या अब भी वादों के गणित से ज्यादा भावनात्मक आशाओं में विश्वास रखती है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि तेजस्वी यादव के वादों ने बिहार में न केवल आर्थिक विमर्श को जन्म दिया है, बल्कि यह चुनावी परिदृश्य को भी नई दिशा दे रहे हैं। जहां विरोधी इसे आर्थिक आत्मघात बता रहे हैं, वहीं समर्थक इसे जनता की आवाज कह रहे हैं। अब सवाल यह है कि क्या बिहार की जनता इस बार वादों से परे जाकर यथार्थवादी विकल्प चुनेगी या एक बार फिर वही भावनात्मक राजनीति हावी रहेगी? और यदि तेजस्वी यादव सचमुच सत्ता में आते हैं, तो क्या वह अपने वादों को वास्तविक धरातल पर उतार पाएंगे या यह केवल बिहार की चुनावी सियासत का एक और सपनों का पुल साबित होगा। इसका जवाब 14 नवंबर को मिल जाएगा, जब चुनाव के नतीजे सामने आएंगे।

विश्व राजनीति

ममता कुशवाहा

लेखक शिक्षक हैं।

दक्षिण एशिया में भारत की संप्रभुता और कूटनीति पर नई चुनौती

हाल ही में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस की यात्रा के दौरान उनकी एक टिप्पणी ने भारत, बांग्लादेश और पाकिस्तान के बीच पहले से मौजूद संवेदनशील रिश्तों में नया तनाव उत्पन्न कर दिया है। गुटेरेस ने ढाका में अपने दौरे के दौरान दिए एक बयान में अप्रत्यक्ष रूप से उन क्षेत्रों का उल्लेख किया, जिन्हें उन्होंने 'पूर्वोत्तर भारत के हिस्से' के रूप में नहीं, बल्कि 'बांग्लादेश का अभिन्न अंग' बताया। इस टिप्पणी को लेकर भारत में तीखी प्रतिक्रिया देखी गई, क्योंकि यह न केवल भारत की क्षेत्रीय अखंडता पर प्रश्नचिह्न लगाती है, बल्कि 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम की ऐतिहासिक वास्तविकताओं की भी अनदेखी करती है।

वास्तव में इस घटना की पृष्ठभूमि में पाकिस्तान की सक्रिय भूमिका और संयुक्त राष्ट्र के कुछ पदाधिकारियों की संदिग्ध गतिविधियाँ भी सामने आई हैं। संयुक्त राष्ट्र की 'चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी' की एक बैठक में पाकिस्तानी प्रतिनिधि जनरल साहिर शमशाद मिर्जा की ओर से एक मानचित्र प्रस्तुत किया गया, जिसमें असम, त्रिपुरा, मिज़ोरम और मेघालय के कुछ हिस्सों को बांग्लादेश का हिस्सा दिखाया गया। यह मानचित्र यूएन की बैठक में पहली बार नहीं देखा गया, लेकिन इस बार इसकी प्रस्तुति का राजनीतिक और कूटनीतिक महत्व अधिक था क्योंकि बैठक में गुटेरेस के नजदीकी अधिकारी भी मौजूद थे। भारत ने इस पर कड़ा आपत्ति दर्ज कराते हुए कहा कि यह न केवल भारत की संप्रभुता का उल्लंघन है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों का दुरुपयोग भी है।

1971 में जब बांग्लादेश मुक्ति संग्राम हुआ, तब भारत ने न केवल निर्णायक सैन्य भूमिका निभाई थी बल्कि पाकिस्तान की पूर्वी सीमा पर लाखों शरणार्थियों की मदद भी की थी। भारत की इस मानवीय और रणनीतिक सहायता ने बांग्लादेश को स्वतंत्र राष्ट्र बनने की दिशा में मार्ग प्रशस्त किया था। लेकिन आज यही संयुक्त राष्ट्र, जिसने उस समय पाकिस्तान के अत्याचारों की निंदा करने में हिचक दिखाई थी, अब उन्हीं विचारों को बढ़ावा दे रहा है जिनसे भारत की भौगोलिक सीमाओं पर प्रश्न उठते हैं।

यूएन प्रमुख गुटेरेस के हालिया बयानों में भी पाकिस्तान की नीति का स्पष्ट प्रभाव दिखाई देता है। उन्होंने ढाका में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि 'दक्षिण एशिया में सीमाओं की पुर्न समीक्षा का प्रश्न अब भी अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए खुला है।' यह कथन बेहद असंवेदनशील और विवादास्पद था क्योंकि दक्षिण एशिया में सीमाओं का मुद्दा ऐतिहासिक और संवैधानिक रूप से निपट चुका है। भारत ने 1974 में बांग्लादेश के साथ भूमि सीमा समझौता किया था, जिसे दोनों देशों की संसदों ने अनुमोदित किया। इसके बाद 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ऐतिहासिक भूमि सीमा समझौते के तहत दोनों देशों के बीच की सीमाओं का अंतिम निर्धारण कर दिया गया।

परंतु संयुक्त राष्ट्र के हालिया रुख से ऐसा प्रतीत होता है कि वह किसी न किसी रूप में क्षेत्र में पुनः अस्थिरता उत्पन्न करने की कोशिश कर रहा है। इसके पीछे तुर्की और इस्लामी सहयोग संगठन (OIC) जैसे समूहों की लॉबिंग भी बताई जा रही है, जो लंबे समय से भारत के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दुष्प्रचार करते आए हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल ही में यह स्पष्ट किया कि गुटेरेस के बयानों के पीछे 'तुर्की आधारित गैर-सरकारी संगठनों' की भूमिका संदिग्ध है, जो 'सुल्तनत-ए-बाल्कान' नामक इस्लामी समूह के माध्यम से दक्षिण एशिया में अलगाववादी विचारों को बढ़ावा देते हैं।

भारत के लिए यह केवल एक राजनैतिक चुनौती नहीं, बल्कि उसकी क्षेत्रीय अखंडता से जुड़ा गंभीर प्रश्न है। भारत की पूर्वोत्तर सीमाएँ पहले ही संवेदनशील हैं, जहाँ चीन और म्यांमार के साथ भू-राजनीतिक तनाव जारी है। यदि संयुक्त राष्ट्र जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठन इस प्रकार की विवादास्पद टिप्पणियाँ करते हैं, तो इससे न केवल भारत की सुरक्षा चिंताएँ बढ़ेंगी बल्कि बांग्लादेश के साथ उसके घनिष्ठ संबंधों पर भी असर पड़ेगा। भारत और बांग्लादेश के बीच पिछले एक दशक में व्यापार, नदी जल बंटवारा, आतंकवाद विरोधी सहयोग और सीमावर्ती विकास परियोजनाओं में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। दोनों देशों ने मिलकर यह साबित किया है कि परस्पर सहयोग के आधार पर क्षेत्रीय स्थिरता हासिल की जा सकती है।

ऐसे में यूएन प्रमुख के वक्तव्य को केवल 'कूटनीतिक भूल' नहीं कहा जा सकता। इसके पीछे एक व्यापक रणनीतिक सोच दिखाई देती है, जिसका उद्देश्य दक्षिण एशिया में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका को कमज़ोर करना है। पाकिस्तान लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को घेरने के प्रयास करता रहा है, लेकिन उसे ठोस सफलता नहीं मिल पाई। अब वही प्रयास 'संयुक्त राष्ट्र की निष्पक्षता' के आवरण में किए जा रहे हैं। गुटेरेस का यह बयान न केवल भारत के लिए अपमानजनक है, बल्कि संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाता है।

यह भी याद रखना आवश्यक है कि संयुक्त राष्ट्र ने अतीत में भी कई बार ऐसे निर्णय लिए हैं जो भारत के दृष्टिकोण के विपरीत रहे हैं। कश्मीर मुद्दे पर यूएन के पुराने प्रस्ताव आज भी पाकिस्तान के दुष्प्रचार का आधार बने हुए हैं, जबकि भारत ने स्पष्ट किया है कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और यह विषय अब द्विपक्षीय समझौतों के तहत ही सुलझाया जा सकता है।

यूएन प्रमुख का यह रुख भारत के लिए कई स्तरों पर चुनौतीपूर्ण है। पहला, यह दक्षिण एशिया में भारत की कूटनीतिक साख को कमजोर करने की कोशिश है। दूसरा, यह बांग्लादेश के साथ भारत के विश्वास आधारित संबंधों में अविश्वास का बीज बो सकता है। तीसरा, यह पाकिस्तान को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर 'पीड़ित देश' के रूप में प्रस्तुत करने का अवसर दे सकता है, जबकि सच्चाई यह है कि पाकिस्तान स्वयं आतंकवाद को बढ़ावा देने वाला राष्ट्र है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में बैंकॉक में हुए 'विस्तृत शिखर सम्मेलन' के दौरान भी अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चेताया था कि कुछ शक्तियाँ दक्षिण एशिया को अस्थिर करने की कोशिश कर रही हैं और इनसे सावधान रहने की आवश्यकता है। मोदी ने उस अवसर पर विशेष रूप से कहा था कि 'ढाका से दिल्ली तक स्थिरता और सहयोग की भावना ही एशिया की नई शक्ति बन सकती है।' यह कथन भारत की स्पष्ट नीति को रेखांकित करता है कि वह क्षेत्रीय शांति के लिए प्रतिबद्ध है, न कि विवादों के लिए।

यूएन प्रमुख का यह विवादास्पद बयान केवल एक भाषण या मानचित्र की गलती नहीं है, बल्कि यह उस मानसिकता का परिचायक है जो एशिया में शक्ति-संतुलन को बदलना चाहती है। भारत के लिए यह समय है कि वह न केवल कूटनीतिक स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय जनमत के स्तर पर भी सक्रिय हो। भारत को यह दिखाना होगा कि दक्षिण एशिया में स्थिरता, विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों का सबसे बड़ा संरक्षक वही है।

आज जब विश्व बहुध्रुवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, तब संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठनों की भूमिका और जिम्मेदारी पहले से कहीं अधिक है। यदि ये संस्थाएँ अपने मूल उद्देश्य- शांति, न्याय और समानता से भटक जाएँगी, तो वैश्विक राजनीति में उनका महत्व स्वतः कम हो जाएगा। भारत जैसे जिम्मेदार और लोकतांत्रिक राष्ट्रों को इस चुनौती का सामना दृढ़ता, संयम और विवेक के साथ करना होगा, ताकि दक्षिण एशिया एक बार फिर संघर्ष का मैदान नहीं, बल्कि सहयोग और विकास का केंद्र बन सके।

आत्मबल की लौ से सफलता की मशाल

अभिव्यक्ति

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्तंभकार हैं।

जीवन एक यात्रा है जिसमें सुख और दुःख, सफलता और असफलता, उतार और चढ़ाव – सभी साथ चलते हैं। कोई भी व्यक्ति ऐसा नहीं है जिसने जीवन में कठिन परिस्थितियों का सामना न किया हो। लेकिन जो बात एक व्यक्ति को महान बनाती है, वह यह नहीं कि उसके जीवन में कितनी आसानी थी, बल्कि यह कि उसने कठिनाइयों के सामने धैर्य कैसे बनाए रखा और आत्मबल तथा आत्मशक्ति के सहारे कैसे आगे बढ़ा।

धैर्य वह शक्ति है जो इंसान को विपरीत परिस्थितियों में टूटने नहीं देती। जब जीवन की राह कठिन हो जाती है, तो बहुत से लोग हार मान लेते हैं, लेकिन जो व्यक्ति धैर्य रखता है, वही अंततः मंज़िल तक पहुँचता है। एक बीज को वृक्ष बनने के लिए मिट्टी में दबना पड़ता है, अंधेरे में रहना पड़ता है, और बारिश, धूप, तूफ़ान सब झेलने पड़ते हैं। उसी प्रकार मनुष्य को भी कठिनाइयों के बीच अपनी शक्ति को पहचानना पड़ता है।

आत्मबल यानी अपने भीतर का विश्वास – यह भावना कि 'मैं कर सकता हूँ'। यह विश्वास ही वह चिंगारी है जो असंभव को संभव बना देती है। यदि हम अपने आप पर विश्वास करें, तो कोई भी बाधा बड़ी नहीं लगती। आत्मबल हमें गिरने के बाद फिर से उठना सिखाता है।

महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद, ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जैसे महापुरुषों ने भी अपने जीवन में असंख्य कठिनाइयों का सामना किया, पर उन्होंने कभी धैर्य नहीं खोया। गांधीजी ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए पूरे देश को स्वतंत्रता की राह दिखाई। स्वामी विवेकानंद ने निर्धनता और उपेक्षा झेलकर भी अपने आत्मबल से पूरे विश्व में भारत का नाम ऊँचा किया। डॉ. कलाम ने गरीबी में जन्म लेने के बावजूद अपने आत्मविश्वास और परिश्रम से देश के 'मिसाइल मैन' बनकर इतिहास रच दिया।

धैर्य का अर्थ केवल प्रतीक्षा करना नहीं है, बल्कि कठिनाइयों के बीच शांत रहकर सही दिशा में प्रयास करते रहना है। जब कोई समस्या आती है, तो हमें घबराने या हार मानने के बजाय यह सोचना चाहिए कि 'इससे निकलने का रास्ता क्या हो सकता है?' जीवन की हर चुनौती हमें कुछ नया सिखाने आती है। अगर हम उसे सीखने का अवसर मानें, तो कोई भी स्थिति हमें कमजोर नहीं कर सकती।

आत्मशक्ति वह आंतरिक ऊर्जा है जो हमें नकारात्मकता से ऊपर उठाती है। जब मन में निराशा छा जाती है, तब आत्मशक्ति हमें यह याद दिलाती है कि 'अभी सब खत्म नहीं हुआ।' यह वही शक्ति है जो किसी असफल छात्र को फिर से परीक्षा की तैयारी करने की प्रेरणा देती है, किसी बीमार व्यक्ति को स्वस्थ होने की उम्मीद जगाती है, और किसी असहाय व्यक्ति को फिर से खड़ा होने की ताकत देती है।

कठिनाइयाँ हमारे जीवन का अंत नहीं होतीं, बल्कि वे हमें बेहतर बनने का अवसर देती हैं। जो व्यक्ति संघर्ष से डरता है, वह अपने सामर्थ्य को कभी नहीं पहचान पाता। पर जो व्यक्ति हर कठिनाई को चुनौती समझकर आगे बढ़ता है, वही सच्चा विजेता कहलाता है। धैर्य और आत्मबल मिलकर वह शक्ति बनाते हैं जो जीवन की सबसे कठिन परिस्थितियों में भी राह दिखाती है। जब हम अपने भीतर की रोशनी को जलाए रखते हैं, तो बाहरी अंधकार हमें छू भी नहीं सकता। सफलता का रास्ता हमेशा सीधा नहीं होता, पर जो व्यक्ति अपने मनोबल को स्थिर रखता है, वह मंज़िल तक ज़रूर पहुँचता है।

अतः हमें यह याद रखना चाहिए कि हर कठिन परिस्थिति हमारे जीवन की परीक्षा होती है। यदि हम धैर्य न खोएँ और आत्मबल बनाए रखें, तो हम किसी भी संकट को अवसर में बदल सकते हैं। अपने भीतर की शक्ति को पहचानना, विश्वास रखना और निरंतर प्रयास करते रहना ,यही सफलता की असली कुंजी है। अंत में यही कहा जा सकता है कि धैर्य, आत्मबल और आत्मशक्ति जीवन के वे तीन स्तंभ हैं जिन पर सफलता की पूरी इमारत खड़ी होती है। चाहे परिस्थितियाँ कितनी भी प्रतिकूल क्यों न हों, यदि मनुष्य इन तीनों को थामे रखे, तो कोई भी शक्ति उसे आगे बढ़ने से रोक नहीं सकती। कठिनाइयाँ आती रहेंगी, पर हमें रुकना नहीं है – क्योंकि सच्चा विजेता वही है जो अंधकार में भी अपनी रोशनी खुद जलाना जानता है। हर कठिन परिस्थिति में धैर्य बनाए रखना और आत्मबल से आगे बढ़ना ही सच्ची सफलता है। हार और निराशा केवल तभी स्थायी होती हैं जब हम उन्हें स्वीकार कर लेते हैं। जो व्यक्ति अपने विश्वास पर अडिग रहता है, वही अपनी सफलता की कहानी स्वयं लिखता है और वही दूसरों के लिए प्रेरणा बन जाता है।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

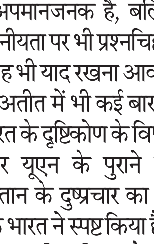

सुरेश रायकवार

लेखक व्यंग्यकार हैं।

दयारामजी ने सपना देखा, सपना है सपने का क्या !

सपनों की दुनिया भी अजब-गज़ब है। सपने इंसान को क्या-क्या दिखा दें, कुछ नहीं कह सकते, क्योंकि सपनों पर आदमी का कोई नियंत्रण नहीं रहता। अब देखिये ना, आज बेचारे दयारामजी सपने में बिहार पहुँच गए। उन्होने स्वप्न में देखा कि बिहार की सत्ता में वही नेताजी मुख्यमंत्री बन गए हैं, जिन्होने बिहार के भोले-भाले मतदाताओं को हर घर में एक सरकारी नौकरी देने का सपना दिखाया था या कहें चुनावी वादा किया था। उन्होंने यह भी देखा कि नेताजी के शपथ लेते ही सरकारी विभाग के कर्मचारी हर घर नौकरी का नियुक्ति पत्र लेकर निकल पड़े है और यथायोग्य सेवाशुल्क लेकर लोगों को नियुक्ति पत्र बाँट रहे हैं।

दयारामजी ने स्वप्न में देखा कि देश के कोने-कोने में फैले प्रवासी बिहारी मजदूर विभिन्न प्रदेशों से अपने राज्य में लौट रहे हैं। बिहार जाने वाली सभी रेलगाड़ियां, बस आदि खचाखच भर-भर के जा रही है। कई मजदूर पैदल ही बिहार की ओर कूच कर रहे हैं, सड़कों पर मजदूरों की भीड़ का वही दृश्य दिखाई दे रहा है, जैसा अभी कुछ वर्ष पूर्व कोरोनाकाल में दिखाई दिया था। अंतर बस इतना है कि उस समय सब घबराए हुए थे किन्तु इस बार सरकारी नौकरी पाने के उत्साह में चले जा रहे हैं। देश के अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री परेशान हो रहे हैं क्योंकि उनके राज्यों में अचानक हुए इस पलायन से मजदूरों की कमी होने के कारण उद्योग, खेती और व्यापार ठप्प हो गए है।

स्वप्न में जब एक कर्मचारी दयाराम जी के पड़ोसी बुजुर्ग दंपति के यहाँ पहुंचे तो उन्होने कर्मचारी को बताया कि उनके बच्चे तो विदेश में नौकरी कर रहे हैं, तो सरकार के नुमाइंदों ने बुजुर्गों को डांटते हुए कहा - 'आपके बच्चों को विदेश से वापस आना होगा क्योंकि जब हमारी सरकार ही नौकरी दे रही है, तो फिर उन्हे विदेश में नौकरी करने की क्या आवश्यकता है?'

ऐसे ही जब वे कर्मचारी एक बड़े उद्योगपति के घर पहुंचे तो उद्योगपतिजी ने बताया कि उनका तो बड़ा कारख़ाना है, और उन्हे नौकरी की कोई जरूरत नहीं है। तब कर्मचारी ने कहा- 'चाहे आपका कारख़ाना हो या आप बड़े ब्योपारी हों, आपको सरकारी नौकरी तो करना ही पड़ेगी क्योंकि नेताजी ने बिहार के हर घर में नौकरी देने का वादा जो किया है। अब आप अपना कारख़ाना बंद करें और कल से सरकारी दफ्तर आयें।' व्यापारियों से भी कहा जा रहा हैं कि वे अपनी दुकानें, यदि चलाना ही चाहते हैं तो पार्ट टाइम चलाएं, उन्हे पहले सरकार की नौकरी करना होगी।

दयारामजी ने सपने में अपनी पत्नी को महरी के सामने गिड़गिड़ाते हुए देखा क्योंकि घर की महरी ने भी अल्टिमेटम दे दिया कि वह कल से नौकरी छोड़ रही है, उसे बिहार के मुख्यमंत्री आवास पर महरी के पद वाली सरकारी नौकरी मिल रही है। उसके जैसी तमाम महिलाओं को विभिन्न नेताओं और अधिकारियों के आवास पर काम करने के नियुक्ति पत्र मिल चुके हैं।

उन्होने सपने में देखा कि जेन-जी वर्ग के लिए स्कूल और कॉलेज में नकल पर लगे सभी प्रतिबंध हटा लिए गए है। राज्य में किसी भी परीक्षा का पर्चा, परीक्षा से दो दिन पूर्व राज्य के प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित करवाना अनिवार्य कर दिया गया है ताकि पेपर लीक की समस्या ही ना रहे। सरकार अब सभी बेरोजगारों को घर बैठे वेतन प्रदान करेगी। बेरोजगारी भत्ते का नाम बदल कर बेगारी वेतन कर दिया गया है ताकि बेरोजगारी के आंकडों में कोई बेरोजगार ना दिखे।

चूंकि बिहार का साक्षारता प्रतिशत राष्ट्रीय औसत से भी कम है, और यही कारण है कि राज्य में अनपढ़ और मजदूर वर्ग की संख्या अधिक है, इसलिए सरकार ने इनके लिए गाय, भैंस, बकरी, और भेड़ों की विशेष खरीद की है, इन सभी मजदूरों को तबेले में और पशु चराने की सरकारी नौकरी दी गई है। चारा खरीद में सरकार के पूर्व अनुभव को देखते हुए इस बार पशुपालन के लिए अन्य राज्यों से ही नहीं बल्कि विदेशों से भी चारे की खरीद की जा रही है। गाँव-गाँव और शहर-शहर में कुक्कुट और मुर्गी पालन केंद्र स्थापित किए गए है जिसमे प्रत्येक पाँच मुर्गी पर एक मजदूर को सरकारी नौकर बनाया गया है।

अभी 2.87 करोड़ नौकरियों के लिए सरकार, आर्थिक व्यवस्था कैसे करेगी, यह सपना आरंभ ही हो रहा था कि दयाराम जी की पत्नी ने आवाज लगाकर उन्हे नींद से जगा दिया। बिहार के लोगों को दिखाया गया सपना और दयारामजी के द्वारा देखा गया सपना कितना सच होता है, यह तो आने वाला समय ही बतलाएगा।

वन क्षेत्र में वृद्धि

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

पर्यावरण संकट के दौर में एक पेड़ मां के नाम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान ने इस बढ़त में अहम् भूमिका निभाई है। यह रिपोर्ट इंडोनेशिया के बाली में 'वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन' (जीएफआरए)-2025 के नाम से जारी हुई है। वैश्विक पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से भारत के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि तब मील का पत्थर है, जब भारत औद्योगिक, नवीकरणीय ऊर्जा और ढांचागत विकास में निरंतर प्रगति कर रहा है। ऐसे में नौवें स्थान पर आना सतत् वन प्रबंधन और पारिस्थितिकी संरक्षण में संतुलन को दर्शाता है। एएफओ की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया का कुल वन क्षेत्र 414 करोड़ हेक्टेयर है। यह वन पृथ्वी की 32 प्रतिशत भूमि को अच्छादित करता है। इसका आधे से ज्यादा 54 प्रतिशत भू-भाग केवल पांच देशों, रूस, ब्राजील, कनाडा, अमेरिका और चीन में है। आस्ट्रेलिया, कांगो और इंडोनेशिया के बाद भारत दुनिया के शीर्ष 10 वन-समृद्ध देशों में शामिल हो गया है।

दीपवली के बाद देशव्यापी प्रदूषित वायु प्रदूषण ने लोगों की धड़कनें बढ़ा दी हैं, परंतु इसी बीच सुखद खबर है कि संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एएफओ) के सर्वे ने भारत में वन क्षेत्र में वृद्धि की जानकारी दी है। भारत अब वन विस्तार में नई उपलब्धि के साथ नौवें स्थान पर आ गया है। पिछले वर्ष यह दसवें पायदान पर था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान ने इस बढ़त में अहम् भूमिका निभाई है। यह रिपोर्ट इंडोनेशिया के बाली में 'वैश्विक वन संसाधन मूल्यांकन' (जीएफआरए)-2025 के नाम से जारी हुई है। वैश्विक पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से भारत के लिए यह महत्वपूर्ण उपलब्धि तब मील का पत्थर है, जब भारत औद्योगिक, नवीकरणीय ऊर्जा और ढांचागत विकास में निरंतर प्रगति कर रहा है। ऐसे में नौवें स्थान पर आना सतत् वन प्रबंधन और पारिस्थितिकी संरक्षण में संतुलन को दर्शाता है। एएफओ की रिपोर्ट बताती है कि दुनिया का कुल वन क्षेत्र 414 करोड़ हेक्टेयर है। यह वन पृथ्वी की 32 प्रतिशत भूमि को अच्छादित करता है। इसका आधे से ज्यादा 54 प्रतिशत भू-भाग केवल पांच देशों, रूस, ब्राजील, कनाडा, अमेरिका और चीन में है। आस्ट्रेलिया, कांगो और इंडोनेशिया के बाद भारत दुनिया के शीर्ष 10 वन-समृद्ध देशों में शामिल हो गया है।

पेड़ों की अस्मिता पर ही मनुष्य व अन्य प्राणियों का जीवन टिका हुआ है। गोया, पेड़ एक ऐसी प्राकृतिक संपदा है, जिसका यदि विनाश होता है तो मनुष्य का सुखद जीवन भी संभव नहीं रह जाएगा। जब से मानव सभ्यता के विकास का क्रम शुरू हुआ है, तब से लेकर अब तक वृक्षों की संख्या में 46 प्रतिशत की कमी आई है। पेड़ों की गिनती के अब तक के सबसे समग्र वैश्विक अभियान में दुनिया भर के वैज्ञानिक समूहों ने यह निष्कर्ष निकाला है। इस अध्ययन का आकलन है कि विश्व में तीन लाख करोड़ वृक्ष हैं। यानी मोटे तौर पर प्रति व्यक्ति 422 पेड़ हैं। हालांकि यह आंकड़ा पूर्व में आकलित अनुमानों से साढ़े सात गुना ज्यादा बताया गया है। दरअसल पूर्व के वैश्विक आकलनों ने तय किया था कि दुनिया भर में महज 400 अरब पेड़ लहरा रहे हैं। मसलन प्रति व्यक्ति पेड़ों की संख्या 61 है। यह आकलन व्यक्ति आधारित था, इसलिए इसकी प्रामाणिकता पर संदेह था। दरअसल दुनिया में अभी भी ऐसे दुर्गम स्थानों पर जंगलों का विस्तार है,जहां सर्वेक्षण में लगे मानव-समूहों का पहुंचना और पहुंचकर सर्वे करना आसान नहीं है। क्योंकि इन जंगलों में एक तो अभी भी रास्ते नहीं हैं, दूसरे,खतरनाक वन्य-जीवों की मौजदूगी है।

पेड़ों की यह गिनती उपग्रह द्वारा ली गई छवियों के माध्यम से की गई है। इस गणना को तकनीक की भाषा में 'सेटेलाइट इमेजरी' कहते हैं। इस तकनीक से पूरा सर्वे वन-प्रांतरों में लिया गया है। इसमें जमीनी स्तर पर कोई आंकड़े नहीं जुटाए गए हैं। इस अध्ययन की विस्तृत रिपोर्ट प्रतिष्ठित जनरल 'नेचर' में छपी है। रिपोर्ट के मुताबिक पेड़ों की उच्च सघनता रूस,स्कैंडीनेशिया और उत्तरी अमेरिका के उप आर्कटिक क्षेत्रों में पाई गई है। इन घने वनों में दुनिया के 24 फीसदी पेड़ हैं। पृथ्वी पर विद्यमान 43 प्रतिशत, यानी करीब 1.4 लाख करोड़ पेड़ उष्ण कटिबंधीय और उपोष्ण कटिबंधीय वनों में हैं। इन वनों का चिंताजनक पहलू यह भी है कि वनों या पेड़ों की घटती दर भी इन्हीं जंगलों में सबसे ज्यादा है। 22 फीसदी पेड़ शीतोष्ण क्षेत्रों में हैं।

इस अध्ययन की प्रामाणिकता इसलिए असंदिग्ध है, क्योंकि इस सामूहिक अध्ययन को बेहद गंभीरता से किया गया है। इस हेतु 15 देशों के वैज्ञानिक समूह बने। इन समूहों ने उपग्रह चित्रों के माध्यम से वन क्षेत्र का आकलन प्रति वर्ग किलोमीटर में मौजूद पेड़ों की संख्या का मानचित्रीकरण में सुपर कंप्यूटर तकनीक का इस्तेमाल करके किया है। इस गिनती में दुनिया के सभी सघन वनों की संख्या 4 लाख से भी अधिक है। दुनिया के ज्यादातर राष्ट्रीय वन क्षेत्रों में हुए अध्ययनों को भी तुलना के लिए जगह दी गई। उपग्रह चित्रों के इस्तेमाल से पेड़ों के आकलन के साथ स्थानीय जलवायु, भौगोलिक स्थिति,पेड़-पौधे,मिट्टी की दशाओं पर मानव के प्रभाव को भी आधार बनाया गया। इससे जो निष्कर्ष निकले, उनसे तय हुआ कि मानवीय हलचल और उसके जंगलों में हस्तक्षेप से पेड़ों की संख्या में गिरावट की दर से सीधा संबंध है। जिन वन-क्षेत्रों में मनुष्य की आबादी बढ़ी है, उन क्षेत्रों में पेड़ों का घनत्व तेजी से घटा है। वनों की कटाई, भूमि के उपयोग में बदलाव वन प्रबंधन और

मानवीय गतिविधियों के चलते हर साल दुनिया में 15 अरब पेड़ कम हो रहे हैं। जिस तरह से भारत समेत पूरी दुनिया में अनियंत्रित औद्योगीकरण,शहरीकरण और बड़े बांध एवं चार व छह पंक्तियों के राजमर्गों की संरचनाएं धरातल पर उतारी जा रही हैं,उससे भी जंगल खत्म हो रहे हैं।

ऐसे समय जब दुनिया भर के पर्यावरणविद् और वैज्ञानिक जलवायु संकट के दिनोंदिन और गहराते जाने की चेतावनी दे रहे हैं, पर्यावरण सरंक्षण में सबसे ज्यादा मददगार वनों का सिमटना या पेड़ों का घटना वैश्विक होती दुनिया के लिए चिंता का अहम् विषय है। विकास के नाम पर जंगलों के सफाए में तेजी भूमंडलीय आर्थिक उदारवाद के बाद आई है। पिछले 15 साल में ब्राजील में 17 हजार,म्यांमार में 8,इंडोनेशिया में 12, मेक्सिको में 7, कोलांबिया में 6.5, जैरे में 4 और भारत में 4 हजार प्रति वर्ग किलोमीटर के हिसाब से वनों का विनाश हो रहा है। यानी एक साल में 170 लाख हेक्टेयर की गति से वन लुप्त हो रहे हैं। यदि वनों के विनाश की यही रफ्तार रही तो जंगलों को 4 से 8 प्रतिशत क्षेत्र, सन् 2030 तक विलुप्त हो जाएंगे। 2040 तक 17 से 35 प्रतिशत सघन वन मिट जाएंगे। इस समय तक इतनी विकराल स्थिति उत्पन्न हो जाएगी कि 20 से 75 की संख्या में दुर्लभ पेड़ों की प्रजातियां प्रति दिन नष्ट होने लग जाएंगी। नतीजतन आगामी 15 सालों में 15 प्रतिशत वृक्षों की प्रजातियां विलुप्त हो जाएंगी। इनकी विलुप्ति का असर फसलों पर भी पड़ेगा।

वृक्षों का संरक्षण इसलिए जरूरी हैं, क्योंकि वृक्ष जीव-जगत के लिए जीवन-तत्वों का सृजन करते हैं। वायु-प्रदूषण, जल-प्रदूषण, भू-क्षरण न हो, पेड़ों की अधिकता से ही संभव है। वर्शा च्रक की नियमित निरंतरता पेड़ों पर ही निर्भर है। पेड़ मनुष्य जीवन के लिए कितने उपयोगी हैं, इसका वैज्ञानिक आकलन भारतीय अनुसंधान परिशद् ने किया है। इस आकलन के अनुसार, उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में पर्यावरण के लिहाज से एक हेक्टेयर क्षेत्र के वन से 1.41 लाख रुपए का लाभ होता है। इसके साथ ही 50 साल में एक वृक्ष 15.70 लाख की लागत का प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष लाभ देता है। पेड़ लगभग 3 लाख रुपए मूल्य की भूमि की नमी बनाए रखता है। 2.5 लाख रूपए मूल्य की ऑक्सीजन, 2 लाख रुपए मूल्य के बराबर प्रोटीनों का संरक्षण करता है। वृक्ष की अन्य उपयोगिता में 5 लाख रुपए मूल्य के समतुल्य वायु व जल प्रदूषण नियंत्रण और 2.5 लाख रुपए मूल्य के बराबर की भागीदारी पक्षियों,जीव-जंतुओं व कीट-पतंगों को आश्रय-स्थल उपलब्ध कराने के रूप में करता है। वृक्षों की इन्हीं मूल्यवान उपयोगिताओं को ध्यान में रखकार हमारे ॠषि-मुनियों ने इन्हें देव तुल्य माना और इनके महत्व को पूजा से जोड़कर संरक्षण के अनूठे व दीर्घकालिक उपाय किए। इसलिए भारतीय जनजीवन का प्रकृति से गहरा आत्मीय संबंध है। लेकिन आधुनिक विकास और पैसा कमाने की होड़ ने संरक्षण के इन कीमती उपायों का लगभग ठुकरा दिया है।

पेड़ों के महत्व का तुलनात्मक आकलन अब शीतलता पहुंचाने वाले विद्युत उपकरणों के साथ भी किया जा रहा है। एक स्वस्थ वृक्ष जो ठंडक देता है, वह 10 कमरों में लगे वातानुकूलितों के लगातार 20 घंटे चलने के बराबर होती है। घरों के आसपास पेड़ लगे हों तो वातानुकूलन की जरूरत 30 प्रतिशत घट जाती है। इससे 20 से 30 प्रतिशत तक बिजली की बचत होती है। एक एकड़ क्षेत्र में लगे वन छह टन कॉर्बन डाईऑक्साइड रखते हैं, इसके उलट चार टन ऑक्सीजन उत्पन्न करते हैं। जो 18 व्यक्तियों की वार्षिक जरूरत के बराबर होती है। हमारी ज्ञान परंपराओं में आज भी ज्ञान की यही महिमा अक्षुण्ण है, लेकिन यंत्रों के बढ़ते उपयोग से जुड़ जाने के कारण हम प्रकृति से निरंतर दूरी बनाते जा रहे हैं। तय है,वैश्विक रिपोर्ट में पेड़ों के नष्ट होते जाने की जो भयावहता सामने आई है, उसकी प्रतिछाया में भारत में वन-आच्छादित क्षेत्र में वृद्धि देश की जनता के लिए सुखद अनुभूति का संकेत है।

विचार

लाल बहादुर श्रीवास्तव

लेखक रचनाकार हैं।

साहित्य बिन पत्रकारिता का अस्तित्व

कभी मुंशी प्रेमचंद्र ने कहा था कि 'साहित्य राजनीति के आगे चलने वाली मशाल है' पर आज के परिवेश में इसी पर प्रश्नचिन्ह लगाया जाने लगा है कि क्या सचमुच ऐसा है। बदलती परिस्थितियों के साथ बहुत सी चीजों की प्रासंगिकता पर सवाल उठने लगे है जब भी सियासत अपने ढंग से समाज में हस्तक्षेप करने की कोशिश करती है,ऐसी प्रतिक्रियाएं और सवाल स्वाभिक रूप से उठने उभरने लगते है। अक्सर विपरित परिस्थितियों में साहित्य,अपने नये मूल्य, नये नये प्रतिमान रच लेता है। इसलिए मौजूदा माहौल का क्या नतीजा निकलता है,साहित्य क्या दिशा लेता है,देखने की समझने की बात है।

साहित्य समाज का दर्पण है। इतिहास इस बात का गवाह है कि साहित्य ने हर सामाजिक राजनीतिक बदलाव को रेखांकित किया है हर खतरे से मुठभेड़ करते हुए उम्मीद की नई इबारत लिखी है सकारात्मक और मूल्यवान की जगह बनाई ही नहीं बचाई भी है। इसलिए साहित्य में सामाजिक सरोकारों को लेकर अभी भी हमारी उम्मीदें धूमिल नहीं हुई है। इस पर लगने वाले प्रश्नचिन्ह भी देर सवेर तिरोहित हो जाने वाले है।

पत्रकारिता से साहित्य का संबंध पुराना है। दोनों एक दूसरे के बिना आधे अधूरे है,ये दोनों ही एक दूसरे से खुराक लेते एक दूसरे को पोसते प्रोत्साहित करते रहते है। पत्रकारिता जहां राजनीतिक सामाजिक विसंगतियों पर अंगुली रखने उठाने,उन्हें सुधारने की जरूरतों को रेखांकित करने का साहसिक प्रयास करती रही है,वहीं साहित्य उसे वैचारिक समर्थन देता रहा है।एक निश्चित बिंदु पर पहुंच कर दोनों लगभग एक सा काम करते रहे है। वैचारिक रचनात्मक भावभूमि के

> **साहित्य समाज का दर्पण है। इतिहास इस बात का गवाह है कि साहित्य ने हर सामाजिक राजनीतिक बदलाव को रेखांकित किया है हर खतरे से मुठभेड़ करते हुए उम्मीद की नई इबारत लिखी है सकारात्मक और मूल्यवान की जगह बनाई ही नहीं बचाई भी है। इसलिए साहित्य में सामाजिक सरोकारों को लेकर अभी भी हमारी उम्मीदें धूमिल नहीं हुई है। इस पर लगने वाले प्रश्नचिन्ह भी देर सवेर तिरोहित हो जाने वाले है।**

लिए दोनों एक दूसरे के सहयोगी रहे है।

आज के सन्दर्भ में समकाल को पहचानने,उसकी संगतियों विसंगतियों को रेखांकित करने, सरोकारों की निशानदेही करने मे मददगार हो। समकालीन हिंदी साहित्य की क्या दिशा है उसमें क्या कुछ टूट-फूट रहा है, क्या मूल्यवान रचा किया जा रहा है,आज साहित्य समाज को किस तरह पढ़ रहा है,किस दिशा में समाज को ले जाने की कोशिशें कर रहा है।

बात बस इतनी सी नहीं कि साहित्य और पत्रकारिता समाज को दिशा देने का प्रयास करते है,समाज भी इन्हें दिशा देता रहता है। समाज में साहित्य के किस रूप की और किन मूल्यों की स्वीकार्यता अधिक है,उसकी कितनी जगह बच रही है,इन सब बातों की थाह लेना साहित्य ही नही पत्रकारिता के लिए भी बहुत जरूरी है।

पत्रकारिता की शुरूआत साहित्य से ही होती है। साहित्य पत्रकारिता की जननी मां ही नही इसे सजाने संवारने वाला पोषित शिल्प पिता भी है। श्रेष्ठ साहित्य श्रेष्ठ पत्रकारिता के आयामों को, प्रकल्पों को, विकल्पों को तराशने का अभिनव रूप है दोनों में ही कलम कूंची एक सशक्त माध्यम है।

विचार

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

हम सबका जीवन एक सामाजिक अध्याय

हम एक समाज के भीतर जीवन जी रहे हैं तो हमें उस समाज को जानना समझना चाहिए। उसे एकदम से छोड़कर हम कहीं नहीं जा सकते। यह बहुतों को भ्रम होता है कि उनकी जिंदगी तो उन्होंने क्रियेट की है पर यह एक अधूरा सच है आपको रचने बनाने में बहुत सारी शक्तियां काम करती हैं। यह सामाजिक जीवन व्यवहार एक दिन में नहीं मिलता बल्कि हम जिन लोगों के साथ रहते हुए आपसी सहयोग और समन्वय से जीवन की जटिल स्थितियों को हल करने में समर्थ होते हैं वे सब एक अकेले की व्यवस्था नहीं होती । उसे बनाने में सभी का साथ मिलता है। यहां यह कह सकते हैं कि हर आदमी का जीवन उसकी कोशिश और व्यवहार का जहां परिणाम होती है वहीं अन्य का भी गहरा प्रभाव उसके जीवन पर पड़ता है। सामाजिक होना मनुष्य की मूल अवस्था होती है। मनुष्य चेतना के स्तर पर सामाजिक इकाई के रूप में सामने होता है। आदमी कुछ भी अकेले नहीं करता न ही उसका जीवन अकेले उसी का होता है। उसके जीवन संसार को प्रभावित करने वाली अन्य शक्तियां होती हैं जो उसके साथ तो उसके आसपास से उसके जीवन को रचती गढ़ती रहती हैं।

हर आदमी के सामने जीवन का अध्याय सामाजिक पाठ का पर्याय होता है। समाज के भीतर ही हम जीवन जीते हैं और समाज से कदम कदम पर सीखते हुए आगे बढ़ते हैं। यह बराबर से देखने में आता है कि आप जो जीवन जी रहे हैं वह किन लोगों के साथ और कैसे जी रहे हैं। जिस रूप में जीवन जीने को मिला है उसका बहुत गहरा प्रभाव आपकी जिंदगी पर पड़ता है। जो कुछ भी जीवन जीया है वह सिर्फ अकेले की यात्रा भर नहीं होती है हमारे जीवन संसार में अन्य लोगों की बहुत बड़ी भूमिका होती है। यह जो अन्य लोगों की दुनिया है उसका हम ध्यान रखें न रखें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता पर जब हम अपने आसपास के अन्य लोगों का ध्यान रखते हुए चलते हैं तो हमारी दुनिया का विस्तार होता है। हमारे लिए जीवन का अर्थ बहुत बड़ा हो जाता है। हम एक समाज के भीतर जीवन जी रहे हैं तो हमें उस समाज को जानना समझना चाहिए। उसे एकदम से छोड़कर हम कहीं नहीं जा सकते। यह बहुतों को भ्रम होता है कि उनकी जिंदगी तो उन्होंने क्रियेट की है पर यह एक अधूरा सच है आपको रचने बनाने में बहुत सारी शक्तियां काम करती हैं। यह सामाजिक जीवन व्यवहार एक दिन में नहीं मिलता बल्कि हम जिन लोगों के साथ रहते हुए आपसी सहयोग और समन्वय से जीवन की जटिल स्थितियों को हल करने में समर्थ होते हैं वे सब एक अकेले की व्यवस्था नहीं होती । उसे बनाने में सभी का साथ मिलता है। यहां यह कह सकते हैं कि हर आदमी का जीवन उसकी कोशिश और व्यवहार का जहां परिणाम होती है वहीं अन्य का भी गहरा प्रभाव उसके जीवन पर पड़ता है। सामाजिक होना मनुष्य की मूल अवस्था होती है। मनुष्य चेतना के स्तर पर सामाजिक इकाई के रूप में सामने होता है। आदमी कुछ भी अकेले नहीं करता न ही उसका जीवन अकेले उसी का होता है। उसके जीवन संसार को प्रभावित करने वाली अन्य शक्तियां होती हैं जो उसके साथ तो उसके आसपास से उसके जीवन को रचती गढ़ती रहती हैं। एक आदमी के जीवन व्यवहार में माता-पिता, परिवार और वह पूरा आसपास पड़ोस होता है जिससे उसकी दुनिया बनती है। हममें से बहुत सारे लोग इस तरह से सोचते हैं कि यह दुनिया उन्होंने गढ़ी है और इस दुनिया में जीने का जो आधार है वह उन्हीं के पास है। पर यह जानना जरूरी है और यह भी सच है कि आदमी जो जीवन जी रहा होता है या जो जीवन जीना चाहता है उसे पाने में केवल उसी का हाथ नहीं होता उससे इतर भी जीवन को रचने वाली बहुत सारी शक्तियां काम करती हैं।

अक्सर लोग जल्दबाजी में यह सोचते हैं कि उनके जीवन का आधार सिर्फ उन्हीं के पास है और अपने जीवन का सारा संचालन वे ही कर रहे हैं। यहां यह कहा जाना ठीक होगा कि उनके जीवन को बनाने में औरों का हाथ होता है। इस दुनिया को बनाने में बहुत सारे लोगों का जीवन केंद्रीय भूमिका में होता है इससे हम इंकार नहीं कर सकते। यह दुनिया जितनी हमारी है उतनी ही औरों की भी है। यह दुनिया इतनी तरह से हमारे जीवन में शामिल होती है कि जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते। बहुत सारे लोग अप्रत्यक्ष रूप से हमेशा हमारे साथ होते हैं। वे कहते नहीं हैं, बताते भी नहीं कि वे क्या कर रहे हैं और चुपचाप आपके कार्य को बिना बताए आसान कर जाते हैं, आपके लिए दुनिया को आसान बनाते रहते हैं। यदि कोई आपके या अन्य के पथ का कांटा हटा रहा है तो वह स्वाभाविक रूप से आपकी दुनिया को बेहतर बना रहा है। दुनिया को रचने और गढ़ने वाले हमेशा हमारे आसपास ही रहते हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हमें इन लोगों का सम्मान करना आना चाहिए। जो लोग जीवन को बेहतर बनाने की दिशा में काम करते हैं उनके साथ हमें अपना कदम बढ़ाना चाहिए। जीवन पथ पर जब आप चलते हैं तो अकेले कभी नहीं चलते और न ही अकेले चलने का भ्रम पालना चाहिए। जब आप चलते चलते लोगों का सहयोग लेते हैं तो यह आपके व्यवहार पर ही निर्भर होता है। यदि आपका व्यवहार सही है तो हर रास्ते पर मदद करने वाले बहुत सारे लोग आपसे आप मिल जाते हैं। एक आदमी कैसे और किन लोगों के बीच रहता है वह क्या कुछ करना चाहता है। इसे यदि जानने चलेंगे तो आपके सामने केवल वह आदमी भर नहीं होगा । और भी लोग उसके साथ उसके आसपास से ही चल रहे होते हैं। एक आदमी को हर समय सोच समझकर चलना चाहिए। अक्सर लोग भूल जाते हैं कि वे घर पर हैं या बाहर हैं। घर पर आप चाहे जैसे रहे रह सकते हैं पर घर से बाहर कहीं और घर नहीं मिलता कि वहां भी आप वैसा ही व्यवहार करें। बाहर जब होते हैं तो वहां के हिसाब से आपको रहना पड़ता है। व्यवहार विज्ञान भी जीवन विज्ञान की तरह ही हैं। यहां क्रिया प्रतिक्रिया साथ साथ चलती है। जीवन को समझने के लिए अपने आपको देखने के साथ साथ अन्य लोगों को भी देखना होता है। कैसे हर आदमी जीवन जीता है और उसका जीवन व्यवहार कैसे है । दूसरे को देखकर ही बहुत कुछ सीखना पड़ता है। जीवन व्यवहार को समझने के लिए लगातार यात्रा करनी पड़ती है। किसी भी आदमी के व्यवहार को एक दिन के आधार पर नहीं समझा जा सकता है। व्यवहार एक सतत् प्रक्रिया है इसे किसी एक समय में हासिल नहीं किया जा सकता है। व्यवहार को जीने के लिए सतत् रूप से व्यवहार करना पड़ता है। जीवन व्यवहार और जीवन संसार बहुत बड़ा होता है इसे जांचने परखने के लिए कोई एक आधार नहीं होता न ही एक ढंग से जीवन को जीया जा सकता है। जीवन संसार को समझने के लिए ही एक तरह से हमें यात्रा करनी पड़ती है। हर यात्रा एक तरह से हमारे लिए दुनिया भर की सीख लाती है। हम यह समझ पाते हैं तो जो जीवन हम जी रहे हैं या जिस जीवन संसार को हम सब कुछ मान रहे हैं बस वहीं नहीं है। हमारे जीवन संसार से बाहर बहुत बड़ा जीवन संसार है जब इस संसार को देखते हैं जब जीते हैं तो नये सिरे से दुनिया हमारे सामने आती है।

सरेराह आदिवासी युवक की चाकू मारकर हत्या

परिवार और ग्रामीणों ने सड़क पर बैठकर जताया विरोध

बैतूल । बीती रात मुलताई थाना अंतर्गत श्री होटल के पास चार युवकों ने एक आदिवासी युवक की चाकुओं से गोदकर हत्या कर दी। इस घटना से नगर में सनसनी फैल गई। मुलताई पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। सुबह मृतक का शव लेकर परिजन और बड़ी संख्या में आदिवासी समुदाय के लोग ताप्ती प्रथम पुल मुख्य मार्ग पर पहुँच गए। उन्होंने मुख्य सडक़ पर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों की माँग थी कि सभी आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जाए, साथ ही उनके मकानों पर बुलडोजर चलाया जाए। प्रदर्शन की सूचना पर एसडीओपी ए.के. सिंह, एसडीएम राजीव कहार एवं थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह परिहार मौके पर पहुँचे। अधिकारियों द्वारा एक घंटे की समझाइश के बाद परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाने को तैयार हुए।

बस स्टैंड के पास घायल मिला था युवक- घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार, खरसाली निवासी आदित्य टेकाम पिता राजू टेकाम पर बस स्टैंड स्थित श्री होटल के पास चार युवकों ने चाकू से हमला किया। गंभीर अवस्था में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मुलताई लाया गया, जहाँ से बैतूल रेफर किया गया। लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गंभीर स्थिति में लाए जाने पर अस्पताल में केवल कंपाउंडर ही मौजूद था, जिसने घाव पर पट्टी कर दी। बताया गया कि बाद में महिला चिकित्सक अस्पताल पहुँचीं।

दो दिन पहले भी हुआ था विवाद- जानकारी के अनुसार, इस निर्मम हत्या के पीछे किसी लडक़ी को लेकर चल रहे प्रेम-प्रसंग से उत्पन्न रंजिश कारण बनी है। बताया जा रहा है कि दो दिन पहले भी बस स्टैंड क्षेत्र में इन युवकों के बीच विवाद हुआ था और हाथापाई की नौबत आ गई थी। तब भी लोगों की भीड़ जमा हो गई थी, लेकिन पुलिस ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। जिला पुलिस अधीक्षक वीरेंद्र जैन ने बताया कि मृतक के साथी सतीश उइके की रिपोर्ट पर धारा 302 व अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। आरोपियों की पहचान कर ली गई है। आरोपी न्मयूर तायवाड़े, शुभम,गौरव सोनी,नितिन सोनी चारों की तलाश जारी है। प्रारंभिक जाँच में पुष्टि हुई है कि यह हत्या हमउम्र लडक़ों में प्रेम-प्रकरण से उपजे विवाद के चलते हुई है।

आठनेर पुलिस ने पकड़ी 15 लाख की शराब

पानी की बोतलों के बीच हो रही थी तस्करी, दो गिरफ्तार

बैतूल। आठनेर पुलिस ने 15 लाख रुपए से अधिक की अवैध शराब और इतनी ही कीमत का मिनी ट्रक जब्त किया है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। थाना प्रभारी विजय सिंह ठाकुर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आइसर मिनी ट्रक क्रमांक एमपी 13 बीबी 5573 से अवैध शराब का परिवहन करते हुए इन आरोपियों को पकड़ा। तलाशी के दौरान ट्रक से कुल 1494.72 लीटर अवैध शराब बरामद की गई। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 15 लाख 42 हजार 240 रुपए आंकी गई है। इसके अतिरिक्त, 12 लाख रुपए का मिनी ट्रक, 37 हजार रुपए की पानी की बोतलें और 25 हजार रुपए के मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। कुल जब्त सामग्री का मूल्य लगभग 28 लाख 46 हजार 800 रुपए है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अजमेर निवासी राजेंद्र साहू उर्फ राजा (50) और चांदू निवासी किशोर आर्य के रूप में हुई। उप निरीक्षक मांगीलाल ठाकरे ने बताया कि यह कार्रवाई मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर की गई। सूचना मिली थी कि भैंसदेही की ओर से एक ट्रक में शराब भरकर लाई जा रही है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि यह शराब चांदू निवासी रामकिशोर की थी। कार्रवाई में टीआई, सब इंस्पेक्टर समेत सहायक उप निरीक्षक दिनेश धुर्वे, एएसआई संतोष चौधरी, राज पहाडे, प्रधान आरक्षक पंकज बटके, आरक्षक भीम चंचल और बीरबल मीणा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

श्रद्धालय वृद्धाश्रम में हुआ गौभंडारा

विधिविधान से मनाया गौपाष्टमी महापर्व

धार। भारतीय संस्कृति में पर्व परम्परा समाज के हर वर्ग ही नहीं पशु पक्षी तक भी केंद्रित रहती है। दीपावली पर्व के बाद गोपाष्टमी महापर्व पर श्रद्धालय वृद्धाश्रम में सामाजिक गौस्नेहीजन, वृद्धजन द्वारा विधिविधान से पूजन, हवन महाआरती आदि आचार्य देवेंद्र शर्मा के द्वारा करवाया गया। गौस्नेहीजन द्वारा गौ भंडारे का आयोजन किया गया। फल, खल,लड्डू मिठाई, गुड़, रोटी, हरी कड़प, भूसा आदि खिलाया व जोड़े से गौ आशीर्वाद प्राप्त किया। महाआरती में कृष्ण कुमार दुबे, रामकिशोर पांडे, डॉ साधना चौहान, डॉ देवर्षि द्विवेदी, दुर्गेश नागर, लक्ष्मीनारायण मुकाती, हेमन्त राठौर, मंगलश्री राजेश गुप्ता, आशीष सोनी, देवीसिंह राजावत आदि उपस्थित थे। जानकारी मीडिया प्रभारी राकी मक्कड़ ने दी।

श्री गुजराती रामी माली समाज नवयुवक साख सहकारी संस्था मर्यादित नौगांव के 100 वर्ष पूर्ण होने पर संस्था व संस्थान के अध्यक्ष सम्मानित

धार। श्री गुजराती रामी माली समाज नवयुवक साख सहकारी संस्था मयार्दित नौगांव, धार को जिला सहकारी केंद्रीय बैंक शाखा किला मैदान धार द्वारा बैंक के 100 वर्ष पूर्ण होने पर संस्था व संस्था के अध्यक्ष को सम्मानित किया गया। इस

अवसर पर संस्था के पदाधिकारी मोतीलाल चावड़ा अध्यक्ष, गेन्दालाल टाकोलिया उपाध्यक्ष, पुरषोत्तम चौहान उपाध्यक्ष, अंचल हारोड़ सचिव, रामगोपाल दयाल कोषध्यक्ष/प्रबंधक, अंकित चौहान सह सचिव, प्रहलाद डोडिया उपकोषाध्यक्ष, मनीष मकवाना बैंक प्रतिनिधि, उपासना चावड़ा जिला संघ प्रतिनिधि, लक्ष्मीनारायण चावड़ा सहकारिता सलाहकार, अनिता चावड़ा उपभोक्ता प्रतिनिधि, बाबूलाल चौहान संरक्षक, घनश्याम मकवाना विधि सलाहकार, संचालक चन्द्रशेखर चावड़ा, हरिश चावड़ा, संस्था कर्मचारी महेन्द्र चौहान, राजेश चावड़ा, शंकरलाल परमार उपस्थित थे।

धार के साहित्यकारों का इन्दौर में सम्मान

धार। इन्दौर के अभिनव कला समाज सभागृह गांधी हाल में साहित्य सागर संस्था द्वारा आयोजित महामस्ताच्यचर्न कार्यक्रम में धार के साहित्यकार व अभिभाषक श्रीवल्लभ विजयवर्गीय तथा पं. नंदकिशोर उपाध्याय 'प्रबोधक' का सम्मान मुख्य अतिथि आचार्य मिथिला प्रसाद त्रिपाठी द्वारा शाल, प्रशस्ति पत्र और भेंट कर किया गया। इस अवसर पर साहित्य सागर संस्था द्वारा प्रकाशित कविता संकलन, 'स्वच्छ सागर' का विमोचन भी किया गया । इस संकलन में लगभग 111 कवियों की रचनाएँ संकलित की गई हैं। इस महत्वपूर्ण आयोजन में बड़ी संख्या में क्षेत्र के कई लब्ध प्रतिष्ठित कविगण और लेखक मौजूद थे। साहित्य सागर संस्था द्वारा प्रतिवर्ष यह कार्यक्रम बड़े पैमाने पर आयोजित किया जाता है। प्रारम्भ में साहित्य सागर संस्था के अध्यक्ष रमेशप्रसाद शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

सांसद खेल महोत्सव ग्रामीण खिलाड़ियों के लिए सुनहरा अवसर: उर्मिला गव्हाड़े

बैतूल। प्रभात पट्टन ब्लॉक के ग्राम गेहूं बारसा के शासकीय स्कूल में बुधवार को सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ बड़े उत्साह और उमंग के साथ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत सदस्य उर्मिला गव्हाड़े उपस्थित रहीं, जिन्होंने ग्राम पंचायत गेहूं बारसा की सरपंच फगनू मेश्राम, रगड़ गांव के सरपंच प्रवीण कुमरे और ग्राम पंचायत मोरंड के सरपंचों के साथ फीता काटकर खेल महोत्सव का शुभारंभ किया। कार्यक्रम का माहौल जोश और उत्साह से भरा रहा, जहां आस-पास के गांवों के स्कूली बच्चों ने विभिन्न खेलों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल के बच्चों को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना और उनकी छिपी हुई खेल प्रतिभाओं को पहचान दिलाना है। सांसद खेल महोत्सव में कबड्डी, वॉलीबॉल, खो-खो और बैडमिंटन जैसे खेलों का आयोजन किया जा रहा है।

अल्प विराम कार्यशाला में सीखा जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखने का तरीका

अधिकारी- कर्मचारी हुए आत्ममंथन में लीन, जाना आनंद का असली अर्थ

बैतूल। प्रशासनिक व्यस्तताओं के बीच एक ऐसा पल जब सबने ठहरकर खुद से मुलाकात की, यह दृश्य था शाहपुर जनपद पंचायत के सभागृह का, जहां 29 अक्टूबर को अल्प विराम परिचय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अक्षत जैन के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई।

सत्र की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सर्वधर्म प्रार्थना से हुई, जिसमें राज्य आनंद संस्थान के मास्टर ट्रेनर तूलिका पचौरी, दिलीप गीद, विकासखण्ड समन्वयक संतोष राजपूत एवं जिला सम्पर्क व्यक्ति महेश गुंजेले उपस्थित थे। महेश गुंजेले ने कहा कि अल्प विराम शांत होकर आत्मा की आवाज को सुनना है। उन्होंने परिचय सत्र में आनंद विभाग की गतिविधियों आनंदक, आनंद उत्सव, आनंदम, आनंद सभा, अल्प विराम, आनंद कैलेंडर, आनंद क्लब, आनंद शिविर और आनंद व्याख्यान के बारे में विस्तार से बताया। तूलिका पचौरी ने जीवन का लेखा-जोखा विषय पर सत्र लिया, जिसमें उन्होंने प्रश्नों के माध्यम से आत्ममंथन कराया। बचपन से अब तक मेरी मदद किस-किस ने की, मैंने किसकी निःस्वार्थ मदद की, किसने मुझे दुख दिया और मैंने किसे दुख दिया। इन प्रश्नों पर सभी प्रतिभागियों ने भावनात्मक शेयरिंग दी।

दिलीप गीद ने चिंता का दायरा विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि चिंता चिता के समान है। उन्होंने बताया कि जीवन में सकारात्मक सोच रखने से अनेक चिंताओं से मुक्ति मिल सकती है। स्वयं की चिंता, परिवार की चिंता और समाज की चिंता को सीमित कर अपने प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाना ही आनंद है।

जन अभियान परिषद शाहपुर द्वारा सभी प्रतिभागियों के लिए आनंद भोज का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषि, महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य, पुलिस, आयुष, पशु पालन, जल संसाधन, राजस्व विभाग तथा नगर पंचायत शाहपुर सहित विभिन्न विभागों के लगभग 60 अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

प्रकृति वात्सल्य गौशाला धार में गोपाष्टमी का पावन पर्व धूमधाम से मनाया गया

विधि विधान से भगवान श्रीकृष्ण और गौमाता की पूजा की गई

धार। प्रकृति वात्सल्य गौशाला धार में गोपाष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया। विधि-विधान और मंत्रोच्चार की गूंज से गौशाला में गोपाष्टमी पर्व पर गौमाता का पूजन किया गया। गायों और बछड़ों को नहलाकर सजाया गया, उनके सींगों पर हल्दी-कुमकुम लगाकर मालाएं पहनाई गई । समाजसेवी समंदर सिंह पटेल, प्रकृति वात्सल्य गौशाला धार के अध्यक्ष धर्मेंद जोशी, संस्थापक अध्यक्ष प्रमिला शर्मा, सचिव विजया शर्मा सहित अतिथियों और गौभक्तों ने गायों की परिक्रमा कर उन्हें चारा, गुड़ और अन्य भोज्य खिलाया। भगवान श्रीकृष्ण और गायों की पूजा कर आरती की गई। गोपाष्टमी का कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को गायों और बैलों की पूजा के लिए समर्पित त्यौहार है। यह पर्व इस बात का प्रतीक है कि भगवान श्रीकृष्ण ने पहली बार गायें चराने का

कार्यभार संभाला था, जिससे वे बछड़ों की देखभाल करने वाले 'गोप' से एक पूर्ण 'ग्वाले' बन गए थे। यह पर्व श्रीकृष्ण के जीवन की एक महत्वपूर्ण घटना का उत्सव है, जब उन्होंने गाय चराने का काम शुरू किया था। इस अवसर पर, पंडित लक्ष्मीकांत जोशी, प्रेमलता बाई जोशी ,गोपाल जोशी, लालू यादव,अजय जोशी ,नारायण जोशी ,मनीष महाजन आदि उपस्थित थे । यह जानकारी वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा ने दी

गोपाष्टमी कृष्ण की करुणा, प्रकृति और देवत्व के बीच संबंध की याद दिलाती है

बैतूल। गोपाष्टमी पर गौ माता पूजन बोरीवाले बाबा की तपोभूमि रानीपुर माधव गौशाला आश्रम में बुधवार को विश्व हिंदू परिषद द्वारा गोपाष्टमी पर्व के अवसर पर भव्य गौ माता पूजन, वैदिक मंत्रोच्चार के बीच श्रद्धालुओं ने गौ माता का अभिषेक व आरती की। इस मौके पर प्रांत गौ रक्षा प्रमुख कृष्णकांत गावंडे ने कहा कि मान्यता है कि जिस दिन नंद बाबा की आज्ञा पाने के बाद भगवान श्री कृष्ण ने गौ चारण प्रारंभ किया वह कार्तिक मास की अष्टमी तिथि ही थी। तभी से इस पावन दिन को गोपाष्टमी के रूप में मनाया जाने लगा। एकल अभियान श्री हरि कथा जिला अध्यक्ष गौ ग्राम संस्कृति संरक्षण समिति संस्थापक वीरेंद्र बिलगया ने कहा कि गोपाष्टमी भगवान कृष्ण की दिव्य करुणा और मानव, प्रकृति और देवत्व के बीच पवित्र संबंध की याद दिलाती है। इस त्योहार को भक्ति भाव से मनाने से सुरक्षा, कृतज्ञता और सद्भाव का शाश्वत संदेश प्रबल होता है। इस अवसर पर हनुमान शक्ति जागरण जिला प्रमुख शिवम पात्रेकर राहुल, बलराम यादव प्रखंड संयोजक शाहपुर दुर्गेश यादव खंड मंत्री पावर झंडा खंड शाहपुर प्रखंड सहित कार्यक्रम में बड़ी संख्या गौभक्त और ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण 2025

कलेक्टर ने राजनीतिक दलों से की बीएलए नियुक्ति की अपील

धार। कलेक्टर और जिला निर्वाचन अधिकारी प्रियंक मिश्रा ने बुधवार को मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ कलेक्टर कार्यालय के सभागार में बैठक की। इस दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण 2025 की प्रक्रिया के बारे में अवगत कराया।

कलेक्टर ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने दूसरे चरण की एसआईआर की तारीखों की घोषणा कर दी है इसमें मध्यप्रदेश भी शामिल हैं। प्रदेश में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से उन्होंने आग्रह किया है कि वे अनिवार्य रूप से बीएलए की नियुक्त कर दें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू होते ही मतदाता सूची फ्रीज कर दी गई है। भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट वोटर्स.डॉट.ईसीआई.इन पर जाकर 2003 की मतदाता सूची को देखा जा सकता है। इसके अलावा मतदाता सूची मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान तीन बार बीएलओ घर घर जाकर सर्वे करेगा। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म 6, हटवाने के लिए फॉर्म 7 और सुधार या संशोधन के लिए मतदाता को फॉर्म 8 भरना होगा। कलेक्टर श्री मिश्रा ने बताया कि एन्यूमरेशन फार्म भरने में यदि कोई व्यक्ति मिथ्या घोषणा करता है तो जुर्माने या कारावास के लिए दंडनीय होगा।

28 अक्टूबर से 7 फरवरी 2026 तक चलेगी- कलेक्टर श्री मिश्रा ने बताया कि एसआईआर की प्रक्रिया 28 अक्टूबर से शुरू होकर 8 फरवरी 2026 तक चलेगी। इस बीच 28 से 3 नवंबर तक बीएलओ को ट्रेनिंग दी जाएगी। बीएलओ द्वारा 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक घर घर जाकर सर्वे किया जाएगा। मतदाता सूची के प्रारूप का प्रकाशन 9 दिसंबर को किया जाएगा। दावा आपत्तियों के आवेदन 9 दिसंबर से 9 जनवरी 2026 तक लिए जाएंगे। दस्तावेजों का सत्यापन 9 दिसंबर से 31 जनवरी 2026 तक किया जाएगा। इसके बाद 7 फरवरी 2026 को फाइनल मतदाता सूची का प्रकाशन होगा।

एसआईआर के दौरान लगने वाले सांकेतिक दस्तावेज (सम्पूर्ण नहीं)- केंद्रीय / राज्य सरकार / सार्वजनिक उपक्रम द्वारा नियमित कर्मचारी / पेंशनर को जारी पहचान पत्र / पेंशन भुगतान आदेश। भारत में किसी सरकारी / स्थानीय निकाय / बैंक / डाकघर / एलआईसी / सार्वजनिक उपक्रम द्वारा 01.07.1987 से पूर्व जारी कोई पहचान पत्र / प्रमाण-पत्र / दस्तावेज़। सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी जन्म प्रमाण-पत्र। पासपोर्ट। किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड / विश्वविद्यालय द्वारा जारी मैट्रिक/शैक्षणिक प्रमाण-पत्र। सक्षम राज्य प्राधिकारी द्वारा जारी स्थायी निवास प्रमाण-पत्र। वन अधिकार प्रमाण-पत्र। सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी ओबीसी/एससी/एसटी या अन्य जाति प्रमाण-पत्र। राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (जहाँ उपलब्ध हो)। राज्य/स्थानीय निकाय द्वारा तैयार पारिवारिक रजिस्टर। सरकार द्वारा जारी भूमि / मकान आवंटन प्रमाण-पत्र। आधार के लिए, आयोग द्वारा जारी निर्देश लागू होंगे।

दिगंबर जैन समाज धार में आज से श्री सिद्धचक्र मंडल विधान प्रारंभ

परम पूज्य उपाध्याय श्री विभंजन सागर जी मुनिराज ससंघ के पावन सानिध्य में

धार। दिगम्बर जैन समाज में परम पूज्य उपाध्याय श्री विभंजन सागर जी मुनि राज ससंघ के पावन सानिध्य में 29 अक्टूबर से 5 नवंबर आठ दिवसीय अष्टाह्निका महापर्व की आराधना सिद्धचक्र महा मंडल की रचना कर की जा रही है । इस अवसर पर श्रीजी की एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए संत सदन पहुंची। श्रीजी के अभिषेक शांतिधारा पश्चात श्रीजी को समवशरण पर विराजमान किया। शांतिधारा करने का लाभ विजय शिवानी रावका को प्राप्त हुआ। उपरोक्त कार्यक्रम बाल ब्रह्मचारी पंकज भैया जी के सानिध्य व मार्गदर्शन में भक्ति भाव से भावेश भैया के द्वारा संगीतमय प्रारंभ हुआ। सिद्धचक्र महा मंडल विधान के मुख्य पात्र सोधर्म इन्द्र बन कर आराधना करने का सौभाग्य विमलचंद प्रवीण ,नवीन गोधा परिवार को मिला । श्रीपाल मैनासुंदरी बनने का सौभाग्य

सुभाष मीना जैन महिला बाल विकास अधिकारी धार, कुबेर इंद्र बनने का सौभाग्य विमलचंद प्रवीण , नवीन गोधा परिवार । महायज्ञ नायक बनने का सौभाग्य हेमंत अंजना के. एल.जैन परिवार, यज्ञ नायक बन कर आराधना करने का शोभाग्य विमलचंद केसरबाई जैन पंचायत वाले परिवार। ईशान इंद्र बन कर आशीष नेहा बड़जात्या परिवार सानत इंद्र बन कर जिनेंद्र निर्मला काला परिवार महेंद्र इंद्र बनकर आराधना करने का सौभाग्य सुकुमाल कांताबाई जैन परिवार को प्राप्त हुआ।

ध्वजारोहण प्रवीण प्रजल बड़जात्या द्वारा किया गया। मंडल विधान पर मुख्य कलश विराजमान करने का सौभाग्य नेहा आशीष बड़जात्या परिवार को मिला। मां जिनवाणी जी को विराजमान करने आचार्य श्री के समक्ष द्वीप प्रज्वलन पूज्य मुनिश्रीजी के पाद प्रक्षालन समाज रत्न नरेशकुमार श्रेणिक कुमार गंगवाल परिवार द्वारा किया गया । मंडल पर अखंड द्वीप प्रज्वलन सतीश युगांक लुहाड़िया द्वारा किया गया ।

अध्यक्ष श्रेणिक गंगवाल ने सभी लाभार्थी परिवार को बधाई दी । सचिव संजय छाबड़ा ने आभार व्यक्त किया। जानकारी संजय गंगवाल मीडिया प्रभारी द्वारा दी गई।

कुपोषणमुक्त जिला बनाने कुपोषित बच्चों को चिन्हांकित कर वितरित किए जाएंगे फूड बॉस्केट

टीएल बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने की योजनाओं और निर्माण कार्यो की समीक्षा

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजि टीएल बैठक में कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा अभियानों की प्रगति और सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के प्रारंभ में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस एक नवम्बर को जिले में समारोह आयोजन की तैयारियों की जानकारी देते हुए समय पूर्व सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने विकासखण्ड स्तर पर आयोजित होने वाली जनसुनवाई के साथ ही गॉवों में ग्राम विकास चौपाल आयोजित किए जाने के संबंध में भी विस्तृत चर्चा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। बैठक में प्रारंभ में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जिले में विकास और निर्माण कार्यो में गति लाने के निर्माण एजेंसियों को निर्देश देते हुए कहा कि बारिश का मौसम समाप्त हो गया है, अधिकारी निर्माण कार्यो को गुणवत्ता के साथ शीघ्रता से पूर्णता कराएं। इसी प्रकार राजस्व तथा कृषि अधिकारियों को कृषि उपज मंडियों का सतत् भ्रमण कर सोयाबीन के रेट पर नजर रखने के निर्देश देते हुए कहा कि जिले में सोयाबीन का मॉडल रेट समान रहे। उन्होंने गैरतगंज, गौहरगंज, रायसेन सहित सभी एसडीएम से कृषि उपज मंडियों के भ्रमण की जानकारी ली। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी से जिले में शासकीय विद्यालयों के परीक्षा परिणाम में वृद्धि हेतु अभी तक की गई कार्यवाही की जानकारी लेते हुए निर्देश दिए कि सौ फीसदी परीक्षा परिणाम के लक्ष्य को लेकर प्रयास किए जाएं। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि परीक्षा परिणाम में वृद्धि हेतु प्राचार्यो तथा विषयवार शिक्षकों का प्रशिक्षण सह कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। डेयरी एवं पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान जिले में दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु पशुपालन को बढ़ावा देने तथा स्व-सहायता समूहों को इससे जोड़ने हेतु अभी की गई कार्यवाही की उप संचालक पशुपालन, एलडीएम तथा डीपीएम एनआरएलएम से जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को शासन की योजना के माध्यम से पांच-पांच गाय प्रदान किए जाने और शेड निर्माण के लिए राशि प्रदान करने हेतु प्रस्ताव बनाते हुए आवश्यक कार्यवाही शीघ्र पूर्ण की जाए। जिले को कुपोषणमुक्त बनाने गंभीरता से काम करें बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने महिला बाल विकास विभाग की समीक्षा के दौरान आदर्श आंगनवाड़ी केन्द्र बनाने और जिले को कुपोषण मुक्त बनाने के लिए सभी को गंभीरतापूर्वक काम करने के निर्देश देते हुए कहा कि बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास में प्रारंभ के दो साल बेहद महत्वपूर्ण होते हैं तथा उनके समुचित विकास के लिए पर्याप्त पोषण आहार मिलना जरूरी है। उन्होंने कहा कि महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम जिले में अति कुपोषित बच्चों का चिन्हांकन करेगी। इसके उपरांत चिन्हांकित बच्चों को जिले में स्थित इंडस्ट्रीज के माध्यम से पोषण आहार फूड बॉस्केट वितरित की जाएगीं। उन्होंने इसके लिए जिला व्यापार एवं उद्योग महाप्रबंधक को इंडस्ट्रीज से बात करने के निर्देश दिए। फूड बॉस्केट हेतु इंडस्ट्रीज के साथ ही व्यापारी संगठन, समाजसेवी, जिला अधिकारी आदि भी सहयोग करें। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने महिला बाल विकास विभाग अधिकारी से कहा कि फूड बॉस्केट में कौन-कौन सी खाद्य सामग्री, पोषण आहार का चयन किया जाए यह बेहद महत्वपूर्ण है। पराली के उचित प्रबंधन के लिए गंभीरता से करें काम बैठक में जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु कलस्टर विकसित किए जाने के संबंध में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने उप संचालक कृषि से जानकारी लेते हुए कहा कि जैविक खेती को बढ़ाने गंभीरता से काम करने की जरूरत है। इसके लिए किए जा रहे प्रयास धरातल पर प्रदर्शित होने चाहिए। उन्होंने जिले में पराली जलाने की घटनाओं को रोकने और परानी के उचित प्रबंधन हेतु किए जा रहे कार्यो की जानकारी लेने पर उप संचालक कृषि ने बताया कि किसानों की संगोष्ठियां आयोजित कर उन्हें जागरूक किया जा रहा है। इस पर कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने उप संचालक कृषि को इसे गंभीरता से लेने के निर्देश देते हुए कहा कि कृषि अमला खेतों का भ्रमण करे। किसानों को पराली प्रबंधन हेतु वैकल्पिक उपायों तथा पराली जलाने से होने वाले नुकसान की जानकारी दी जाए। किसानों को हेप्पी सीडर, सुपर सीडर आदि कृषि यंत्रों के उपयोग हेतु जागरूक करें। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सभी एसडीएम से कहा कि हार्वेस्टर से धान की कटाई के दौरान हार्वेस्टर में स्ट्रो मैनेजमेंट सिस्टम होना अनिवार्य है।

आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य में तेजी लाने के भी निर्देश दिए

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सीएमएचओ को निर्देश दिए कि जिले में सभी गर्भवती महिलाओं का पंजीयन हो तथा उनकी नियमित स्वास्थ्य जांच हो तथा आवश्यक परामर्श मिले, यह सुनिश्चित कराएं। साथ ही आयुष्मान कार्ड बनाने के कार्य में तेजी लाने के भी निर्देश दिए। सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का कार्य शीघ्र पूर्ण कराएं बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने सामुदायिक स्वच्छता परिसरों के निर्माण कार्य में प्रगति नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी जनपद सीईओ तथा ई आरईएस को निर्देश दिए कि निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण कराएं। उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी को स्कूल बसों का नियमित अंतराल पर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार शासकीय उचित मूल्य दुकानों पर खाद्यान्न वितरण की जानकारी लेते हुए कहा कि राशन दुकानें समय पर खुलें और सभी पात्र लोगों को नियमित रूप से खाद्यान्न मिले यह सुनिश्चित कराएं। उन्होंने जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग को छात्रावासों में व्यवस्थाएं बेहतर हों, यह सुनिश्चित करें। साथ ही छात्रावासों का सतत् निरीक्षण भी किया जाए। बैठक में वन विभाग की समीक्षा के दौरान वनाधिकार पट्टाधारियों को केसीसी वितरण की जानकारी लेते हुए शीघ्र सभी पात्र हितग्राहियों को केसीसी वितरण के निर्देश दिए। विभागवार सीएम हेल्पलाईन शिकायतों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने अधिकारियों को प्राथमिकता के साथ शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण समयावधि में कराने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त समाचार

शासकीय विद्यालयों में परीक्षा परिणाम सुधार लाने विज्ञान विषय के शिक्षकों को प्रशिक्षण सह कार्यशाला सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। जिले में शासकीय स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता को और बेहतर बनाने तथा परीक्षा परिणाम में वृद्धि के लिए कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की उपस्थिति में रायसेन स्थित शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में विज्ञान विषय के शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण सह कार्यशाला आयोजित की गई। जिसके प्रारंभ में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने शिक्षकों से संवाद कर उन्हें शैक्षणिक गतिविधियों को अधिक रूचिकर बनाने और शैक्षणिक कार्य को पूरी लगन और मेहनत से करने के निर्देश दिए। प्रशिक्षण सह कार्यशाला में 60 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम वाले विज्ञान विषय के 36 शिक्षक सम्मिलित हुए। जिसमें विज्ञान विषय में 100 प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाली शिक्षिका श्रीमती राजेश्वरी लोधी शासकीय उमावि दीवानगंज तथा सुश्री प्रियांशु सिंह परिहार शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय रायसेन द्वारा परीक्षा परिणाम सुधार किए जाने के लिए योजना प्रस्तुत की गई। तत्पश्चात 60 प्रतिशत से कम परीक्षा परिणाम लाने वाले शिक्षकों ने भी इस वर्ष परीक्षा परिणाम सुधार किए जाने की योजना प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी श्री डीडी रजक भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने स्वरोजगारमूलक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर दिए निर्देश

रायसेन (निप्र)। जिले में विभिन्न विभागों की रोजगार और स्वरोजगारमूलक योजनाओं के सफल क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित बैठक में विभागवार योजनाओं के तहत बैंकों के भेजे गए प्रकरणों की संख्या, स्वीकृति और राशि वितरण की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने जिला अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों से कहा कि शासन द्वारा युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए चलाई जा रहीं योजनाओं का लाभ उन्हें सुगमता से तथा समय पर मिले, इसके लिए प्राथमिकता से काम किया जाए। विभागों द्वारा बैंक शाखाओं में भेजे जाने वाले प्रकरणों पर पात्रतानुसार स्वीकृति की कार्यवाही समयावधि में की जाए। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने स्व-सहायता समूहों को बैंक लिंकेज की जानकारी लेते हुए लंबित प्रकरणों को शीघ्र स्वीकृत करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार मत्स्य पालन विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने विभागीय योजनाओं के प्रकरणों की बैंकवार समीक्षा कर राशि वितरण के निर्देश दिए। बैठक में डेयरी एवं पशुपालन विभाग की आचार्य विद्यासागर योजना, पशुपालकों को केसीसी वितरण और प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के तहत ऋण प्रकरणों की स्वीकृति एवं राशि वितरण की विस्तृत समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने पीएम स्वनिधि 2.0 योजना के क्रियान्वयन की निकायवार जानकारी लेते हुए सभी सीएमओ को निर्देश दिए कि अधिक से अधिक पथ विक्रेताओं को योजना का लाभ दिया जाए। इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 की भी समीक्षा कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री मनोज उपाध्याय, विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी, एलडीएम तथा बैंकर्स उपस्थित रहे।

गरिमामई ढंग से किया जाए मध्य प्रदेश स्थापना दिवस का आयोजनः कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना

नर्मदापुरम (निप्र)। आयोजित समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर सुश्री मीना ने कहा कि मध्य प्रदेश स्थापना दिवस समारोह का आयोजन गरिमापूर्ण ढंग से किया जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए की सभी संबंधित विभाग प्रमुख स्थापना दिवस समारोह के सफल आयोजन हेतु समस्त आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि स्थापना दिवस के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाए, जो प्रदेश की संस्कृति, परंपरा एवं विकास यात्रा को प्रदर्शित करें। कार्यक्रमों की थीम विरासत से विकास तक रखी जाए, ताकि प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और विकास के मार्ग को आयोजन के माध्यम से प्रस्तुत किया जा सके।

कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने निर्देश दिए कि अनुविभाग स्तर पर एसडीएम, एसडीओपी, टीआई तथा अन्य संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में बैठक आयोजित कर मेडलेपर पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री साई कृष्णा एस थोटा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेडिको लीगल सर्टिफिकेट एवं पुलिस प्रकरणों से संबंधित कोई भी जानकारी ऑफलाइन माध्यम से अपलोड या प्रेषित नहीं की जाए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग मेडलेपर पोर्टल के माध्यम से ही सभी मेडिको लीगल सर्टिफिकेट प्रदान करे।

एसपी श्री थोटा ने बैठक में उपस्थित स्वास्थ्य विभाग के बीएमओ एवं अधिकारियों की जिज्ञासाओं का समाधान करते हुए बताया कि इस व्यवस्था का उद्देश्य प्रक्रिया को डिजिटल, सुरक्षित और जवाबदेह बनाना है। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की रिपोर्ट या जानकारी ऑफलाइन प्राप्त न की जाए और ऐसे मामलों में कोई प्रतिक्रिया या कार्यवाही न की जाए। समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर ने नरवाई प्रबंधन के तहत जिले में की जा रही कार्यवाही एवं अन्य क्रियाकलापों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि कस्टम हायरिंग सेंटर के माध्यम से कृषि यंत्रों का समुचित उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि कृषि अभियांत्रिकी विभाग द्वारा कस्टम हायरिंग सेंटर के संचालकों के साथ संबधित अनुविभागीय अधिकारी की उपस्थिति में बैठक आयोजित कर उन्हें यंत्रो को नरवाई प्रबंधन के लिए उपयोग हेतु उपलब्ध करने के संबंध में कार्योन्मुख करे। इस दौरान कलेक्टर ने कहा कि सभी के संयुक्त प्रयास से ही नरवाई प्रबंधन के सकारात्मक परिणाम परिलक्षित होंगे। उन्होंने निर्देश दिए की जनपद पंचायत के समस्त सीईओ भी ठोस कार्य योजना तैयार कर उसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नरवाई प्रबंधन के किए उचित कार्यवाही संपादित करें।

टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 3.0 के तहत विद्यार्थियों को दिलाई गई तंबाकू से बचने की शपथ

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में संचालित किए जा रहे टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 3.0 के तहत सीहोर के उत्कृष्ट विद्यालय में विद्यार्थियों को तंबाकू से बचाव के लिए शपथ दिलाई गई। नोडल अधिकारी डॉ नेहा सिंह ने बताया कि इस अवसर पर विद्यार्थियों को तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में बताया गया और तंबाकू से स्वयं को एवं अपने समाज को बचाने के लिए प्रेरित किया गया। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत 09 अक्टूबर से 09 दिसंबर तक 60 दिवसीय विशेष अभियान टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 3.0 चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को तंबाकू से होने वाली घातक बीमारियों से बचाना और जागरूक करना है। शासन द्वारा अभियान के तहत सीहोर जिले के 400 स्कूलों को तंबाकू मुक्त बनाने का लक्ष्य प्रदान करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए है। जिसके प्रथम चरण में सीहोर जिले के 100 स्कूलों को तंबाकू मुक्त बनाने के का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इस लक्ष्य को पूर्ण करने के उद्देश्य से जिले में अनेक जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। ताकि सभी स्कूलों के साथ ही जिले को भी तंबाकू मुक्त जिला बनाया जा सके। इस अभियान में शिक्षा, स्वास्थ्य, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित अनेक विभागों द्वारा सहभागिता की जा रही है।

कुपोषित बालिका को पोषण किट वितरित

विदिशा (निप्र)। नगर परिषद शमशाबाद क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 13 स्थित आंगनवाड़ी भवन पर आज सोमवार को वार्ड क्रमांक 15 की एक कुपोषित बालिका दिव्या, उम्र 2 वर्ष, पिता श्री मनोज आदिवासी एवं माता श्रीमती सोनम की पुत्री को पोषण सामग्री से युक्त किट वितरित की गई। किट वितरण कार्यक्रम में तहसीलदार श्रीमती प्रेमलता पाल , मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री अनिल बिदुआ, नायब तहसीलदार श्री दर्शनलाल नेगी एवं आंगनवाड़ी सहायिका श्रीमती उर्मिला सक्सेना उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान बालिका के स्वास्थ्य सुधार हेतु आवश्यक समस्त पोषण सामग्री प्रदान की गई और परिवार को संतुलित आहार एवं देखभाल संबंधी आवश्यक सुझाव भी दिए गए।

सांसद खेल महोत्सव 2025 के अंतर्गत जिले में खिलाड़ियों के मध्य हो रही खेल प्रतिस्पर्धा

बैतूल (निप्र)। केन्द्रीय राज्य मंत्री एवं सांसद बैतूल-हरदा-हरसूद लोकसभा संसदीय क्षेत्र श्री दुर्गादास उईके के मार्गदर्शन में जिले में सांसद खेल महोत्सव 2025 का आयोजन किया जा रहा है। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी ने बताया खेल संस्कृति को बढावा देने, स्वदेशी एवं मुख्यधारा खेलों को प्रोत्साहित करने, युवाओं की सहभागिता बढ़ाने तथा फिट इंडिया आंदोलन का समर्थन करने के लिए सांसद खेल महोत्सव 2025 का आयोजन संसदीय क्षेत्रों में किया जा रहा है। सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत आठनेर विकासखंड के बाकुड क्लस्टर एवं विकासखण्ड शाहपुर में शहरी क्षेत्र के लिए क्लस्टर स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन जारी है, जिसमें एथेलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो, व्हॉलीबॉल, इत्यादि प्रचलित खेलों के

खिलाडी प्रतिभागिता कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि 25 अक्टूबर को आठनेर विकासखंड में क्लस्टर स्तरीय प्रतियोगिता ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र का आयोजन पुलिस ग्राउण्ड पर किया गया। जिसमें एथेलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो, व्हॉलीबॉल, इत्यादि प्रचलित खेलों के 250 खिलाडियों ने भाग लिया। वहीं शाहपुर विकासखंड के मंडई बुजुर्ग में क्लस्टर स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें एथेलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो, व्हॉलीबॉल, इत्यादि प्रचलित खेलों के 120 खिलाडियों ने भाग लिया। उक्त खेल प्रतियोगिता में स्थानीय जनप्रतिनिधि, खेल प्रशिक्षक, शाला प्राचार्य, संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच/सचिव मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सांसद खेल महोत्सव खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत क्लस्टर स्तर से खिलाड़ी चयनित होकर विकासखण्ड स्तरीय प्रतियोगिता में प्रतिभागिता करेंगे। ततपश्चात विकासखण्ड स्तर से संसदीय स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। सांसद खेल महोत्सव 2025 का आयोजन जिला प्रशासन के सहयोग से किया जा रहा है।

विदिशा जिले में लगाए जाएंगे 01 लाख 26 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर

स्मार्ट मीटर की भ्रांतियां दूर करने विदिशा में आयोजित पत्रकार वार्ता में दी अहम जानकारियां, पत्रकारों के प्रश्नों के दिए जवाब

विदिशा (निप्र)। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा स्मार्ट मीटर अभियान के तहत विदिशा जिले में 01 लाख 26 हजार 327 स्मार्ट मीटर स्थापित किये जाएंगे। जिसमें से अब तक 26 हजार 817 से अधिक स्मार्ट मीटर स्थापित किये जा चुके हैं। स्मार्ट मीटर सभी के लिए फायदेमंद और उपभोक्ताओं के हित में हैं, इसलिए सभी को स्मार्ट मीटर लगाने में कंपनी का सहयोग करना चाहिए। स्मार्ट मीटर से अनेक फायदे हैं, जैसे रीडिंग में कोई गड़बड़ी नहीं होती है, मीटर रीडर भी घर पर रीडिंग लेने नहीं आता है, ऑटोमैटिक सटीक व पारदर्शी रीडिंग होती है। उपभोक्ता रियल टाइम खपत का डाटा भी देख सकते हैं। अगले महीने कितना बिल आ सकता है, यह फॉरकास्ट भी उपाय एप के माध्यम से देख सकते हैं। यह बात मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के निदेशक (पीडीटीसी) श्री अनिल कुमार खत्री ने स्मार्ट मीटर से होने वाले लाभ तथा मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ता हित में चलाई जा रही शासन की योजनाओं जैसे ग्रामीण क्षेत्र में 5 रुपये में नवीन कनेक्शन, सोलर रूफटॉप आदि को आम लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से सोमवार को कलेक्ट्रेट के बेतवा सभाकक्ष में आयोजित मीडिया कार्यशाला में कही। इस अवसर पर महाप्रबंधक (स्मार्ट मीटरिंग सेल) श्री सीके पवार, महाप्रबंधक विदिशा वृत्त श्री सत्येन्द्र मौर्य, उपमहाप्रबंधक (ग्रामीण) श्री अरविंद कुमार वर्मा, उपमहाप्रबंधक (बासौदा डिवीजन) श्री राजू भाभोर, प्रभारी सहायक जिला जनसंपर्क अधिकारी श्री बी.डी.अहिरवाल एवं वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी श्री मनोज द्विवेदी सहित मीडियाकर्मी उपस्थित थे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक (स्मार्ट मीटरिंग सेल) श्री सीके पवार ने बताया कि विदिशा वृत्त में 19 हजार 938 स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को सितंबर 2025 माह में 11 लाख, 57 हजार 131 रूपए की छूट प्रदान की गई है। स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को नए टैरिफ आर्डर के अनुसार अब खपत के आधार पर दिन के टैरिफ में सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक उपयोग की गई बिजली पर 20 प्रतिशत की छूट मिल रही है। जिसके तहत इनमें से स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए यह सभी छूट अथवा प्रोत्साहन की गणना सरकारी सब्सिडी (यदि कोई हो) को छोड़कर की जा रही है। यह उपभोक्ता श्रेणियों के लिए विशिष्ट नियमों और शर्तो के आधार पर दिन के विभिन्न समय के दौरान खपत की अवधि के अनुसार ऊर्जा शुल्क पर लागू होगी। कार्यशाला के दौरान उन्होंने अधिक से अधिक स्मार्ट मीटर लगाने के लिए लोगों को प्रेरित करने का आव्हान किया तथा कार्यशाला में मीडिया के प्रश्नों के जबाव देते हुए मीडिया से प्राप्त फीडबैक के अनुसार कार्यवाही करते हुए उनके द्वारा दिये गये सुझावों को वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में लाते हुए अमल में लाने का आश्वासन दिया।

परिसर में रीडिंग लेने आने की आवश्यकता नहीं : मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के महाप्रबंधक (स्मार्ट मीटरिंग सेल) श्री सी.के. पवार ने मीडिया से चर्चा करते हुये बताया कि शहर के लोगों में स्मार्ट मीटर को लेकर जो भ्रांतियां हैं, उन्हें दूर करना जरूरी है।

अब तक कहीं कोई गड़बड़ी नहीं आई

महाप्रबंधक श्री पवार ने कहा कि स्मार्ट मीटर लगाते हुए लगभग 1 वर्ष पूर्ण हो गया है। अब तक पूरे कंपनी कार्यक्षेत्र के सोलह जिलों में 03 लाख 90 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। अभी तक कहीं पर भी किसी प्रकार की कोई भ्रांतिया पैदा नहीं हुई हैं। ऑटोमेटिक माध्यम से सटीक रीडिंग होने के बाद प्रतिमाह 01 तारीख के बाद मोबाइल अथवा ईमेल पर बिल जारी किया जाता है। स्मार्ट मीटर के पहले उपभोक्ताओं को पता ही नहीं चलता था कि उनकी विद्युत खपत कितनी हैं, जब स्मार्ट मीटर लगे तब उन्हें सही खपत का पता चला और उसका डेटा भी विद्युत विभाग के पास उपलब्ध हुआ है।

हर पंद्रह मिनिट में डाटा अपडेट

उपभोक्ता अब उपाय एप के जरिए स्मार्ट मीटर के माध्यम से अपने घर का लोड देख सकते हैं। मीटर में भी के.डब्ल्यू लिखा रहता हैं जो घर का पूरा लोड बताता है तथा केडब्ल्यूएच खपत (यूनिट) बताता है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि स्वयं के यहां पर कितना किलोवॉट का लोड चल रहा हैं। इसके साथ ही उपाय एप के स्मार्ट मीटर में इंडिकेटर के माध्यम से यह अंदाजा लगाया जाना आसान हो गया कि किस-समय , किस प्रकार के उपकरण चलाए गए ताकि हरी लाइन से पता चल सकता है कि उस दौरान कितनी बिजली खपत हुई। स्मार्ट मीटर हर पंद्रह मिनिट में डाटा अपडेट करता है।

रियल टाइम डेटा उपलब्ध

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने स्मार्ट मीटर के फायदे बताते हुए कहा है कि स्मार्ट मीटर से रियल टाइम डेटा प्राप्त किया जा सकता है, जिससे उपभोक्ताओं को सटीक और समय पर बिलिंग सुनिश्चित की जा रही है।

कांग्रेस ने रखी बीएलओ से घोषणा पत्र लेने की मांग

- **मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से कहा, जिस घर में 15 से अधिक वोटर वहां ध्यान दिया जाए**

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण शुरू होने के पहले राजनीतिक दलों की बैठक में कांग्रेस ने कहा है कि जिन घरों में 15 या अधिक वोटर हों वहां बीएलओ से अलग से घोषणा पत्र लिया जाना चाहिए। कांग्रेस ने इस बात पर आपत्ति की है कि एक माह में बीएलओ को तीन बार हर वोटर के घर जाने के लिए कहा गया है जो संभव नहीं है। यह जल्दबाजी में लिया गया फैसला है। जो बीएलओ एक ही क्षेत्र में लंबे समय से काम कर रहे हैं, उनकी अदला बदली कर स्थानांतरित किया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता जेपी धनोपिया ने यह बातें राजनीतिक दलों की बैठक में कहीं। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी संजीव झा ने कांग्रेस के अलावा बीजेपी, आम आदमी पार्टी के पदाधिकारियों के साथ एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग द्वारा दिए गए निर्देश साझा किए।

कांग्रेस ने की ये आपत्तियां

एसआईआर को लेकर बुलाई गई राजनीतिक दलों की बैठक में कांग्रेस की ओर से जेपी धनोपिया ने दस बिन्दुओं पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से सवाल कर जानकारी मांगी।

धनोपिया द्वारा सीईओ एमपी इलेक्शन से किए गए सवाल और सुझाव– मतदान केंद्रों की संख्या में बढ़ाए गए सात हजार मतदान केंद्रों को शामिल नहीं किया गया है। इसके बिना बीएलओ नियुक्त किया जाना संभव नहीं है। मतदाता सूची गहन पुनरीक्षण का कार्यक्रम जल्दबाजी में किया जा रहा है। एक माह 8 दिन के भीतर 5 करोड़ 74 लाख मतदाताओं की गणना पत्रक मतदाता सूची 2002 के आधार पर वितरित किया जाना संभव नहीं है। बीएलओ को हर मतदाता के निवास पर 3 बार जाने की मात्र औपचारिकता दिखाई जा रही है जो एक माह में संभव नहीं है। मतदाता सूची के लिए जो गणना पत्रक बीएलओ द्वारा मतदाताओं को घर-घर दिए जाएंगे यदि वह गणना पत्रक बीएलओ को वापस नहीं मिलते हैं लेकिन मतदाता सूची 2025 में जिन वोटर्स के नाम हैं, उनके नाम मतदाता सूची से विलोपित नहीं किए जाने चाहिए। मतदाता गणना पत्रक फार्म हिन्दी भाषा में भरकर वितरित किया जाना चाहिए। जो बीएलओ एक ही क्षेत्र में लंबे समय से काम कर रहे हैं, उनकी अदला बदली कर स्थानांतरित किया जाना चाहिए। मतदाता के वर्तमान फोटो बीएलओ के द्वारा हासिल कर मतदाता सूची में उल्लेखित की जाना चाहिए। मतदाता सूची को आधार कार्ड से जोड़ा जाना चाहिए।

राजभवन को लोक कल्याण का केन्द्र बनाया : राज्यपाल श्री पटेल

राज्यपाल से गोवा के सूचना एवं प्रचार विभाग का प्रतिनिधि मंडल मिला

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से गोवा के सूचना एवं प्रचार विभाग का प्रतिनिधि मंडल बुधवार को राजभवन में मिला। निदेशक सूचना एवं प्रचार श्री दीपक बांडेकर के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल मध्यप्रदेश के पांच दिवसीय प्रवास के दौरान राजभवन आया था।राज्यपाल श्री पटेल का निदेशक सूचना एवं प्रचार ने गोवा का पारंपरिक परिधान पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया और दल के सदस्यों का परिचय कराया। इस अवसर पर राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी मौजूद थे।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने दल के साथ चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मंशा-अनुसार उन्होंने राजभवन को लोक कल्याण का केन्द्र बनाया है। प्रदेश के दूरस्थ पिछड़े और वंचित क्षेत्रों के साथ जीवंत संवाद कायम किया है। कार्यकाल के पहले दो वर्षों में ही प्रदेश के सभी जिलों का भ्रमण किया है। वंचितों के साथ आत्मीयता के सूत्र कायम किए है। वे प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों के घर पर परिजनों के साथ सह भोज करते है। प्रशासनिक व्यवस्थाओं को सजग करने की मंशा से पूर्व में पांच गांवों के भ्रमण का कार्यक्रम देते हैं। अंतिम क्षण में किसी एक गांव का भ्रमण कर सम्पर्क और संवाद के द्वारा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हैं।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने मध्यप्रदेश के वनों, दर्शनीय स्थलों के संबंध में भी दल को जानकारी दी। प्रदेश के विकास कार्यों और गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने दल को प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में कार्य के अनुभवों को साझा किया। बताया कि प्रधानमंत्री में जनजातीय समुदाय के प्रति विशेष संवेदनशीलता है। धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान एवं प्रधानमंत्री जनमन योजना की पहल अभूतपूर्व है। योजनाओं के माध्यम से देश के हर जनजातीय परिवार को लाभान्वित करने का प्रयास है। उन्होंने आदि कर्मयोगी योजना के माध्यम से जनजातीय जन जागरण के प्रयासों का भी ब्यौरा दिया।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने दल के सदस्यों को जनजातीय समुदाय के स्वास्थ्य की प्रमुख बाधा सिकल सेल एनीमिया रोग के संबंध में बताया। उन्होंने रोग के प्रत्यक्ष लक्षणों व्यवहारिक समस्याओं और रोग के चिकित्सकीय कारणों के बारे बताया। मध्यप्रदेश में रोग नियंत्रण, उपचार प्रबंधन प्रयासों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वर्ष 2047 तक सिकल सेल रोग उन्मूलन के लिए राष्ट्रीय मिशन गठित कर प्रयास किए जा रहे हैं। मिशन के क्रियान्वयन में प्रदेश का देश में अग्रणी स्थान है। उन्होंने बताया कि सिकल सेल रोग नियंत्रण में दो पहलू बहुत महत्वपूर्ण है। पहला जेनेटिक काउंसलिंग, रोगी और वाहक युवक-युवती आपस में विवाह नहीं करें। दूसरा स्क्रीनिंग, सामान्य रोग वाहक और रोगी की पहचान करना है। राज्य ने इस दिशा में अग्रणी रहकर कार्य किया है। अनुमानतः 01 करोड़ 90 लाख की जनजातीय आबादी में से 01 करोड़ 23 लाख से अधिक की स्क्रीनिंग कर ली गई है। जेनेटिक काउंसलिंग के लिए 01 करोड़ से अधिक डिजिटल जेनेटिक काउंसिल कार्ड वितरित किए जा चुके है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्वयं 01 करोड़ वॉ कार्ड वितरित कर प्रदेश के प्रयासों का अनुसमर्थन किया है। राज्यपाल श्री पटेल ने दल के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की है कि वह जनजातीय समुदाय में स्वास्थ्य, शिक्षा के प्रति जन जागरण के प्रयासों को प्राथमिकता प्रदान करेंगे। विकास का वातावरण निर्मित करने में सक्रिय योगदान देंगे। प्रतिनिधि दल पांच दिवसीय प्रवास पर मध्यप्रदेश आया है।

मुख्यमंत्री ने कटनी विवाद में मृत्यु पर शोक व्यक्त किया

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कटनी में दो पक्षों के बीच हुए विवाद में एक व्यक्ति की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि घटना अत्यंत दुखद है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी और शोक-संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने संबंधित पुलिस अधिकारियों को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए थे। पुलिस ने एक आरोपी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर उसे गिरफ्तार भी कर लिया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हाल ही में जबलपुर में संभागीय बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए थे कि अपराधी कोई भी हो उसे बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने कटनी जिले के प्रभारी मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह को कटनी जाकर शोक-संतप्त परिवार से भेंट कर संवेदना व्यक्त करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में कानून और व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। जो भी कानून-व्यवस्था को चुनौती देगा उसे उसके कृत्य का परिणाम अवश्य ही भुगतना पड़ेगा।

प्रदेश में तीन सिस्टम एक्टिव... 'मोंथा' तूफान का भी असर

श्योपुर-मुरैना समेत 11 जिलों में आज तेज बारिश; 4 दिन तक ऐसा ही मौसम

भोपाल (नप्र)। डिप्रेशन (अवदाब), टर्फ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) के असर से मध्यप्रदेश में तेज आंधी, बारिश और गरज-चमक का दौर बना हुआ है। मंगलवार को सेंधवा समेत सात जिलों में बारिश हुई, जबकि भोपाल-इंदौर में आंधी का असर रहा।

इधर, मुरैना जिले में मंगलवार को हुई बारिश से खेतों में पानी भर गया। लोहगढ़ गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में भी जलभराव की स्थिति बनी हुई है। लगातार हो रही बारिश से किसानों के खेतों में पानी जमा हो गया है। बुधवार को श्योपुर-मुरैना समेत 11 जिलों में भारी बारिश होने का अलर्ट है।

मौसम विभाग के अनुसार, अरब सागर में एक डिप्रेशन एक्टिव है, जिससे एक टर्फ एमपी के पास से गुजर रही है। वहीं, उत्तरी हिस्से में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन भी सक्रिय है। इस वजह से प्रदेश में बारिश का दौर चल रहा है। दूसरी ओर, तूफान मोंथा की वजह से तेज आंधी का दौर है। अगले 24 घंटे के दौरान सिस्टम का असर बढ़ेगा। जिसकी वजह से कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया कि सिस्टम की वजह से अगले चार दिन तक प्रदेश में बारिश होने के आसार हैं।

बैरसिया में दसवीं की छात्रा ने फांसी लगाई

भोपाल (नप्र)। बैरसिया इलाके में बुधवार की सुबह दसवीं की छात्रा ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। शव को फंदे से उतारने के बाद परिजनों ने अस्पातल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। छात्रा के मोबाइल को जांच के लिए एफएसएल भेजा जा रहा है। मामले में मर्ग कायम कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस को घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के मुताबिक ग्राम हिरणखेड़ी निवासी वंदना राजपूत पुत्र रघुवीर सिंह (17) कक्षा दसवीं की छात्रा थी।

शव पोस्ट मार्टम के लिए भेजा– बुधवार सुबह उसने अपने घर में फांसी लगा ली। घटना की खबर लगते ही अस्पताल पहुंची पुलिस ने मृतक का शव बरामद कर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। सुसाइड नोट नहीं मिलने से कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। उसके शव के पास मोबाइल मिला था, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है।

एम्स भोपाल के डॉक्टरों का नशे में हाईवोल्टेज ड्रामा

पुलिस को धमकाया, डॉक्टर बोला- 10 थानों के अफसरों को जानता हूं, तुम कौन हो?

भोपाल (नप्र)। एआईआईएमएस भोपाल के इमरजेंसी गेट के सामने 4 डॉक्टरों ने नशे में उत्पात मचाया। यहां कार खड़ी कर डॉक्टर शराब पार्टी कर रहे थे। पुलिस पहुंची और पूछताछ की तो एक डॉक्टर ने गाली-गलौज शुरू कर दी। डॉक्टर बोला- मैं 2016 से यहां हूं, 10 थानों के अफसरों को जानता हूं, तुम कौन हो?

घटना मंगलवार देर रात करीब 2 बजे की बताई जा रही है। पुलिस से बदसलूकी करते हुए डॉक्टर के दो वीडियो भी सामने आए हैं। वीडियो में दिख रहा है कि कार की छत पर बीयर की बोतल रखी है। दो डॉक्टर कार में नशे में धुत पड़े हैं, साथ ही बीयर और स्नैक्स भी बिखरे हुए हैं। एक डॉक्टर पुलिसकर्मी से बहस करता नजर आ रहा है।

प्रबंधन ने गठित की जांच समिति– वीडियो में नजर आ रहा है कि डॉक्टर मौके से भागने की कोशिश करता है, लेकिन पुलिसकर्मी उसे रोक लेते हैं। पुलिस ने घटनाक्रम की पूरी रिपोर्ट तैयार कर एम्स मैनेजमेंट को भेज दी है। एम्स मैनेजमेंट को बुधवार सुबह करीब 11 बजे इस मामले की जानकारी मिली। प्रबंधन ने जांच समिति गठित कर दी है। फिलहाल यह जांच की जा रही है कि वीडियो में दिख रहे लोग वाकई एम्स से जुड़े हैं या नहीं। उनकी पहचान और विभाग की पुष्टि के बाद आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। एम्स के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि संस्थान की साख से जुड़ा यह गंभीर मामला है। जांच जारी है और जल्द सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सभी एम्स सीनियर रेजिडेंट के पद पर– एम्स के सिक्योरिटी सुपरवाइजर एसएन राय के अनुसार, पुलिस ने सभी डॉक्टरों को रात में एम्स के गार्ड के हवाले कर दिया था। यह पूरी घटना गेट के बाहर हुई, इसलिए हमारी सिक्योरिटी इसमें इन्वॉल्व नहीं है। यह सभी सीनियर रेजिडेंट हैं।

युवकों की कर रहे पहचान

मामले में बागसेवनिया थाने के टीआई अमित सोनी का कहना है कि अभी इन चारों की जानकारी जुटाई जा रही है। एम्स को इस मामले की सूचना दी गई है। इनकी जानकारी मिलने के बाद, आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भेंट कर अभिनंदन

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल का गोवा के सूचना एवं प्रचार विभाग के निदेशक श्री दीपक बांडेकर ने स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया।

महेश्वर-धरगांव में खाटू श्याम प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव

मंडलेश्वर नर्मदा तट से निकली 7 हजार कलशों की श्याम यात्रा, महामंडलेश्वर अखिलेश्वरानंद ने किया शुभारंभ

महेश्वर (नप्र)। महेश्वर तहसील के धरगांव में बुधवार से खाटू श्याम प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ हुआ। श्री श्याम सांवलिया धाम, धरगांव में आयोजित इस पांच दिवसीय महोत्सव की शुरुआत मंडलेश्वर स्थित नर्मदा तट से निकली विशाल कलश और निशान यात्रा से हुई।

अखिलेश्वरानंद गिरी ने किया शुभारंभ– यात्रा का शुभारंभ महामंडलेश्वर श्री स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी (निरंजनी अखाड़ा, जबलपुर) और पूर्व राज्यसभा सांसद मेघराज जैन ने किया। कार्यक्रम में श्रद्धा और उत्साह का अनोखा संगम देखने को मिला। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह आयोजन वैदिक संस्कृति और सामुदायिक एकता का प्रतीक बना। इस दौरान 7 हजार से अधिक महिलाओं ने सिर पर कलश धारण किया।

11 हजार श्रद्धालु हुए शामिल– कलश यात्रा की शुरुआत मंडलेश्वर स्थित नर्मदा तट से हुई, जहां मां नर्मदा का विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। यात्रा में करीब 11 हजार श्रद्धालु शामिल हुए। इनमें 7 हजार से अधिक महिलाओं ने सिर पर कलश धारण किया, जबकि हजारों भक्तों ने निशान लेकर भगवान खाटू श्याम के प्रति अपनी भक्ति व्यक्त की।

तीन किलोमीटर तक फैली भक्तों की कतार– यात्रा के दौरान भक्तों की कतारें तीन से चार किलोमीटर तक फैली रहीं। पूरे नगर में जय श्री श्याम और जय खाटू श्याम के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। नगरवासियों, व्यापारियों और सामाजिक संस्थाओं ने जगह-जगह मंच लगाकर यात्रा का भव्य स्वागत किया।

नर्स से बोले एचओडी- नौकरी के लिए 'कम्प्रोमाइज' करना होगा

ग्वालियर में सरकारी अस्पताल में हाथ पकड़ा, अपशब्द कहे; दो डॉक्टरों के खिलाफ एफआईआर

ग्वालियर (नप्र)। ग्वालियर के जया आरोग्य (जेएएच) सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल में डॉक्टर ने नर्सिंग ऑफिसर से नौकरी के लिए 'कम्प्रोमाइज' करने की बात कही। बुरी नीयत से उसका हाथ पकड़ लिया। नर्स ने हाथ छुड़ाया तो उसे जातिगत अपशब्द कहे।

घटना मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे नेफ्रोलॉजी विभाग के हेड ऑफ दि डिपार्टमेंट के चेंबर की है। पीड़ित ने मामले की शिकायत कंपू थाना में की है। पुलिस ने नेफ्रोलॉजी विभाग के एचओडी और सुपरिटेंडेंट के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। 27 वर्षीय पीड़ित ग्वालियर के घाटीगांव सिमरिया टांका इलाके में एक गांव की रहने वाली है। उसने पुलिस को बताया- मैं नेफ्रोलॉजी विभाग के एचओडी डॉ. शिवम यादव के चेंबर में अपने आवेदन पर मार्क कराकर रिसीविंग लेने गई थी। इसी दौरान डॉ. यादव ने कहा कि जब तक तुम मेरी और डॉ. गिरजा शंकर गुप्ता की बात नहीं मानोगी, तब तक ऐसे ही परेशान होती रहोगी। तुम्हें नौकरी करनी है तो कम्प्रोमाइज करना पड़ेगा। नहीं तो हम तुम्हें ऐसी जगह भेज देंगे, जहां तुम्हारे लिए काम करना मुश्किल हो जाएगा।

पुलिस ने कहा- जांच कर रहे

टीआई अमर सिंह सिकरवार ने बताया कि एक महिला कर्मचारी ने दो डॉक्टरों के खिलाफ आरोप लगाए हैं। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बोले- मेडिकल सुपरिटेंडेंट को खुश रखो– पीड़ित ने पुलिस को बताया- डॉ. शिवम यादव ने कहा कि तुम डॉ. गिरजा शंकर गुप्ता को खुश रखो। वो तुम्हारे मेडिकल सुपरिटेंडेंट हैं। वही करो, जो वो कहते हैं।

यह कहते हुए डॉ. यादव ने नर्सिंग ऑफिसर का हाथ पकड़ लिया। महिला ने किसी तरह अपना हाथ छुड़ाया और बाहर की ओर भागी। इस पर डॉक्टर ने जातिगत अपशब्द कहे। फिर बोले कि जहां चाहे शिकायत कर लो, हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। घबराई नर्सिंग ऑफिसर ने पहले अपने माता-पिता को फोन पर पूरी बात बताई, फिर शाम को कंपू थाना जाकर शिकायत दर्ज कराई।

एचओडी ने आरोपों को बताया बे-बुनियाद– आरोपी एचओडी डॉ. शिवम यादव ने कहा- जिस महिला ने आरोप लगाया है, दो दिन पहले उसका डिपार्टमेंट चेंज किया गया है।